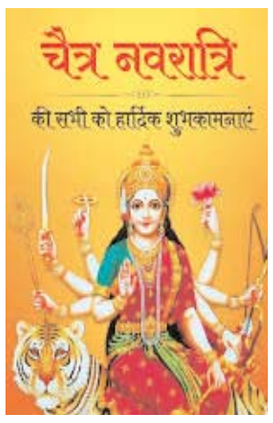

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-40 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 19 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

इंदौर में भीषण हादसा घर के बाहर चार्ज हो रही कार बनी काल

मासूम समेत एक ही परिवार के 7 लोग जिंदा जले

- शॉर्ट सर्किट के बाद घर में फटे 4 गैस सिलेंडर;बिजली कटने से नहीं खुले डिजिटल लॉक, अंदर ही फंसे रह गए लोग

इंदौर (ए.)। इंदौर की ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी में बुधवार तड़के एक दिल दहला देने वाली घटना घटी। घर के बाहर चार्जिंग पर लगी एक इलेक्ट्रिक कार में हुए शॉर्ट सर्किट ने पूरे मकान को आग के गोले में तब्दील कर दिया। इस भयानक अग्निकांड में एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक डेढ़ साल का बच्चा और महिलाएं भी शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि सुबह करीब 4 बजे जब पूरा परिवार गहरी नींद में था, तभी बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक कार के चार्जिंग पॉइंट में चिंगारी उठी। कार में आग लगते ही घर में रखे प्लास्टिक के सामान और केमिकल ने उसे पकड़ लिया। देखते ही देखते आग इतनी विकराल हो गई कि घर में रखे 4 गैस सिलेंडर एक के बाद एक धमाके के साथ फट गए। धमाका इतना तेज था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया।इस हादसे में सबसे बड़ी रुकावट घर के डिजिटल लॉक बने। आग के कारण जैसे ही बिजली कटी, घर के आधुनिक दरवाजे जाम हो गए। अंदर फंसे लोग बाहर निकलने के लिए छटपटाते रहे, लेकिन दरवाजे नहीं खुले। पड़ोसियों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कोई पास नहीं जा सका। बाद में बचाव दल ने दरवाजे तोड़कर लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।मृतकों में विजय सेठिया (65), सुमन (60), मनोज (65), टीनू (35), सिमरन (30), छोटू (22) और 12 साल की राशि शामिल हैं। घर में एक पारिवारिक कार्यक्रम था, जिसके कारण कई रिश्तेदार वहां रुके हुए थे। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

4 मंजिला इमारत में लगी आग

नई दिल्ली (आरएनएस)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के साध नगर, पालम इलाके में बुधवार को चार मंजिला इमारत में लगी आग ने बड़ा हादसा रूप ले लिया। आग की इस घटना में 3 बच्चों समेत एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग अस्पताल में भर्ती हैं। जानकारी के अनुसार, आग लगने के बाद इमारत के अंदर एक ही परिवार के 9 से 10 लोग फंस गए थे। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग, दिल्ली पुलिस और एंबुलेंस की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और राहत-बचाव अभियान शुरू किया गया।आग लगने की वजह नीचे भूजल पर शॉट सर्किट होना माना जा रहा है। नीचे की मंजिलों से ही आग ऊपर के मंजिलों में पहुंची और परिवार फंस गया। भूजल पर परिवार की कॉस्मेटिक एवं अन्य दुकानें हैं जबकि ऊपर की मंजिलों में परिवार रहता है।अधिकारियों के अनुसार हादसे में घायल हुए तीन बच्चों को पालम स्थित दिव्य प्रस्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। मौके पर तीन एंबुलेंस तैनात की गई थीं, जबकि अन्य एंबुलेंस संकरी और भीड़भाड़ वाली जगह के कारण कुछ दूरी पर खड़ी रहीं।

नई दिल्ली के पालम इलाके में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में आग लगने के बाद दमकलकर्मियों और एनडीआरएफ के जवानों ने बचाव अभियान चलाया।

जन-जन तक पहुंचेगी महान सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत सभी जिला मुख्यालयों में होंगे सूर्य उपासना के कार्यक्रम

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि है उज्जैन ने सदियों से धर्म, ज्ञान, विज्ञान और संस्कृति की ज्योति प्रज्ज्वलित की है। उज्जैन में विक्रमोत्सव का सांस्कृतिक महापर्व चल रहा है। महान सम्राट विक्रमादित्य ने ऐसी परंपरा स्थापित की जो आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। विक्रमोत्सव की ख्याति तेजी से बढ़ रही है। उज्जैनी काल गणना का केंद्र रही है। हमारे सभी त्योहार मंगल तिथियों पर आते हैं जो विक्रम संवत पर आधारित हैं। इसी क्रम में सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा, विक्रम संवत 2083 के अवसर पर 19 मार्च 2026 को संपूर्ण प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में सुबह 10 बजे सूर्य उपासना कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्री महाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन के शिखर पर ब्रह्मध्वज स्थापित होगा और जन - जन तक महान सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा को पहुंचाने के लिए सभी जिलों में सम्राट विक्रमादित्य नाट्य की प्रस्तुति होगी। इस साथ ही आमजन को नववर्ष के महत्व से अवगत कराने के लिए भारत का नव वर्ष विक्रम संवत पुस्तिका का वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवीन्द्र भवन भोपाल में मुख्य कार्यक्रम में सम्मलित होंगे।

सम्राट विक्रमादित्य नाट्य की होगी प्रस्तुति

विक्रम उत्सव-2026 के अंतर्गत 19 मार्च 2026 को प्रात: 10 बजे सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सम्राट विक्रमादित्य विषय पर आधारित नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया जाएगा। संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल द्वारा इस नाट्य प्रस्तुति के लिए नाट्य कला दलों को प्रदेश के विभिन्न जिला मुख्यालयों में भेजा जा रहा है, जो स्थानीय स्तर पर सम्राट विक्रमादित्य नाट्य का मंचन करेंगे। गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ग्वालियर में सम्मिलित होंगे। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा मंदसौर और राजेन्द्र शुक्ल रीवा जिले के कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

शाजापुर में दर्दनाक हादसा, खेलने निकले दो बच्चों की नदी में डूबने से मौत

शाजापुर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां नदी में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर फैल गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, अकोदिया थाना क्षेत्र के देवला बिहार गांव में कालीसिंध नदी में नहाने के दौरान दो बालक डूब गए। मृतकों की पहचान पीयूष (13), पिता किशोर और अनमोल (12), पिता बलवान के रूप में हुई है। पीयूष कक्षा 6 का छात्र था, जबकि अनमोल उसका भांजा बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों बच्चे मंगलवार शाम करीब 4 बजे घर से खेलने के लिए निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे।

एनआईए ने छह यूक्रेनी नागरिकों को पकड़ा, एक अमेरिकी नागरिक भी हिरासत में

इन लोगों पर म्यांमार के आतंकी ग्रुप को ड्रोन वॉरफेयर सिखाने का है आरोप

नई दिल्ली,(ए.)। एनआईए ने छह यूक्रेनी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इन पर अवैध रूप से मिजोरम में प्रवेश करने और फिर पड़ोसी देश म्यांमार जाकर उग्रवादियों को लड़ाई की ट्रेनिंग देने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक एनआईए ने दिल्ली और लखनऊ समेत कई प्रमुख ट्रांजिट प्वाइंट्स से इन छह यूक्रेनी नागरिकों को पकड़ा है। इसके अलावा एक अमेरिकी नागरिक को कोलकाता एयरपोर्ट से हिरासत में लिया है, जिसकी पहचान मैथ्यू वैनडाइक के रूप में हुई है। इन सभी के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसियों का दावा है कि ये सभी विदेशी नागरिक मिजोरम पहुंचे थे, जो कि सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील राज्य माना जाता है। यह राज्य म्यांमार के साथ करीब 510 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है।

होर्मुज के रास्ते भारत आया एक और जहाज, 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर गुजरात पहुंचा

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत के लिए एलपीजी और कच्चा तेल लेकर आए भारतीय ध्वज वाले टैंकर सुरक्षित रूप से गुजरात के बंदरगाहों तक पहुंच रहे हैं। इससे ऊर्जा आपूर्ति को लेकर तत्काल राहत मिली है।गुजरात के मुंद्रा स्थित अदाणी पोर्ट्स पर भारतीय ध्वज वाले क्रूड ऑयल टैंकर जग लाडकी का आगमन हुआ। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात से कच्चा तेल लेकर पहुंचा है। टैंकर में करीब 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल लदा था, जिसे फुजैराह बंदरगाह से लोड किया गया था। खास बात यह है कि जहाज उसी दिन रवाना हुआ था, जब फुजैरा के तेल टर्मिनल पर हमला हुआ था। शिवालिक और नंदा देवी के बाद यह भारत पहुंचने वाला तीसरा जहाज है।

लेह-लद्दाख से वापस लौट रहे दोस्तों की तेज रफ्तार एसयूवी डिवाइडर तोड़ नाले में गिरी, तीनों की हुई मौत

कोटा (आरएनएस)। लेह, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर घूम कर लौट रहे दोस्तों की तेज रफ्तार एसयूवी दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे पर बालापुर क्षेत्र में हादसे का शिकार हो गई।आज बुधवार की सुबह 11 बजे हुए भीषण हादसे में तेज रफ्तार एसयूवी कार डिवाइडर तोड़ते हुए नाले में जा गिरी. हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए और कार सवार तीन दोस्तों की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई।कैथुन थाने से मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के पुणे के रहने वाले युवकों का 10 सदस्यीय ग्रुप 26 फरवरी को लेह-लद्दाख और कश्मीर के टूर पर निकला था।

चीन-पाक नौसैनिक गठजोड़ पर संसद समिति की चेतावनी, भारत को सक्रिय रहने की दी सलाह

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद की विदेश मामलों की समिति ने चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ते नौसैनिक सहयोग को लेकर गंभीर चिंता जताई है। समिति ने सरकार को सुझाव दिया है कि भारत को इस उभरते खतरे से निपटने के लिए पहले से ज्यादा सक्रिय रणनीति अपनानी चाहिए। समिति, जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस सांसद शशि थरूर कर रहे हैं, ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन-पाकिस्तान का बढ़ता नौसैनिक गठजोड़ भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।रिपोर्ट के अनुसार, हिंद महासागर क्षेत्र भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत की 7500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और विशाल विशेष आर्थिक क्षेत्र इसे वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र बनाते हैं। करीब 90 प्रतिशत भारतीय व्यापार इसी समुद्री मार्ग से होता है, जिसमें तेल आयात भी शामिल है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत आवश्यक है।समिति ने कहा कि चीन तेजी से अपनी नौसैनिक ताकत बढ़ा रहा है। हर साल बड़ी संख्या में नए युद्धपोत शामिल किए जा रहे हैं, जिससे वह दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना बन चुका है।

सीएम ब्लॉग

नव संवत्सर: कृषि, जल और विकास के रोड मैप का संकल्पक : डॉ. मोहन यादव

भोपाल, (निप्र.)। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होने वाला नवसंवत्सर हमारी सांस्कृतिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टि और प्राकृतिक जीवन पद्धति का प्रतीक है। इस वर्ष विक्रम संवत् 2083 का शुभारंभ हुआ है। यह मध्यप्रदेश के लिए गर्व और गौरव का विषय है कि भारतीय कालगणना की गौरवशाली परंपरा उज्जयिनी से प्रारंभ हुई है। सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक से आरंभ हुआ विक्रम संवत् भारतीय संस्कृति की चेतना और राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक है। सम्राट विक्रमादित्य न्यायप्रियता, पराक्रम, धैर्य, ज्ञानशीलता और सुशासन के आदर्श हैं। विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर उन्होंने राष्ट्र की रक्षा और भारतीय संस्कृति के गौरव को प्रतिष्ठित किया। उनके शासनकाल में सुशासन की आदर्श परंपराएं स्थापित हुईं। उन्होंने न्याय और नीति के जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी शासन और प्रशासन के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। विक्रमादित्य के सुशासन की परंपरा का उल्लेख 'सिंहासन बत्तीसी' की कथाओं में मिलता है। यह उस आदर्श शासन-व्यवस्था का प्रमाण है जिसमें योग्य मंत्रियों, विद्वानों और नीति-निपुण व्यक्तियों के सहयोग से राज्य संचालित किया जाता था। सम्राट विक्रमादित्य ने जिस तरह ज्ञान, संस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था को विकसित किया, वह भारतीय राज्य परंपरा की श्रेष्ठता का प्रतीक है। सम्राट विक्रमादित्य के व्यक्तित्व और भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश में 'विक्रमोत्सव-2026' का आयोजन किया जा रहा है। 12 फरवरी 2026 से 30 जून 2026 तक चलने वाला यह 139 दिवसीय उत्सव दीर्घ आयोजन का कीर्तिमान स्थापित करेगा। इसमें विभिन्न सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के जीवन, उनके आदर्श और उपलब्धियों को समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।उज्जयिनी प्राचीन काल से ही भारत की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक चेतना का केन्द्र रही है। बाबा महाकाल की पावन नगरी का संबंध कालगणना, खगोल विज्ञान और आध्यात्मिक साधना से रहा है। हमारे पूर्वजों ने हजारों वर्ष पहले ग्रहों की गति और नक्षत्रों की स्थिति का गहन अध्ययन कर जो कालगणना पद्धति विकसित की, वह आज भी विश्व के लिए आश्चर्य का विषय है।

उज्जैन की वेधशाला और वैदिक कालगणना हमारी ज्ञान परंपरा का प्रमाण है।

हमारे लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का पुनर्स्थापन किया गया। यह घड़ी भारतीय समय गणना की परंपरा को आधुनिक युग में पुनर्जीवित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।भारतीय नववर्ष प्रकृति के नवोदय का पर्व है। इस समय प्रकृति नवजीवन से समृद्ध होती है,पृथ्वी पर नवचेतना और नवसृजन का संचार होता है। देश भर में मनाए जाने वाले नवसंवत्सर के विभिन्न नाम हैं। कहीं इसे गुड़ी पड़वा, कहीं उगादि, कहीं चैती चांद और कहीं नवरोज के रूप में मनाया जाता है।इसी दिन से चैत्र नवरात्र का भी शुभारंभ होता है। नवरात्र के नौ दिन साधना, आत्मशुद्धि और शक्ति उपासना का अवसर है। भारतीय जीवन पद्धति में पर्व और परंपराएं व्यक्ति और समाज के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करती हैं। मध्यप्रदेश में नवसंवत्सर का आयोजन विकास और जनकल्याण के नए संकल्पों के साथ किया जा रहा है। नवसृजन के प्राकृतिक उत्सव अवसर पर मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश में यह वर्ष कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान अर्थव्यवस्था की आधारशिला है, इसलिए किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। इस वर्ष हमने पहली कृषि कैबिनेट बैठक बड़वानी जिले के भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में की है। इसमें कृषि विकास और कल्याण के लिए 27 हजार 500 करोड़ रुपये की योजनाओं को स्वीकृत किया गया।कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साहित करने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन के लिए प्रदेश में योजनाएं लागू की गई हैं। हमारा लक्ष्य है कि किसान उत्पादन बढ़ाने के साथ कृषि-आधारित उद्योगों के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करें और आत्मनिर्भर बनें।यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में हम विरासत के साथ विकास मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। इसी अनुरूप प्रदेश में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों के संरक्षण और विकास पर कार्य किया जा रहा है। ओंकारेश्वर, उज्जैन, मैहर और अन्य प्रमुख तीर्थस्थल आध्यात्मिक पर्यटन स्वरूप में विकसित हो रहे हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ पर्व के लिए होने वाली समस्त तैयारियां प्रगति पर हैं। इसके साथ ही श्रीराम वनगमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय जैसी योजनाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ा जा रहा है।भारतीय नववर्ष का आयोजन हमें प्रकृति संरक्षण की प्रेरणा देता है। हमारी परंपरा में गुड़ी पड़वा के दिन सूर्योदय से पहले स्वच्छ जल में स्नान करने और सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। अर्घ्य देने की परंपरा में जल स्त्रोतों की पवित्रता और संरक्षण का संदेश है। जल संरक्षण के इसी भाव के साथ मध्यप्रदेश में आज से जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। नववर्ष प्रतिपदा पर शिप्रा तट उज्जैन से प्रारंभ होने वालेइस तीसरे राज्य स्तरीय अभियान में जल संरक्षण की पारंपरिक पद्धतियों और नवीन तकनीकी, नवाचारों के साथ प्रदेश के जल स्त्रोतों को सुरक्षित किया जायेगा।

भोपाल में कई बड़े संस्थानों को बम धमाकों से दहलाने की धमकी से मचा हड़कंप, जांच में फर्जी निकली

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार को कई प्रमुख शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि, पुलिस की गहन जांच के बाद यह धमकी पूरी तरह फर्जी पाई गई। जानकारी अनुसार, बुधवार सुबह करीब 10 बजे भोपाल स्थित जेके मेडिकल यूनिवर्सिटी, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, जेके हॉस्पिटल और एलएन मेडिकल कॉलेज की उनके आधिकारिक ईमेल आईडी पर धमकी भरा मेल भेजा गया। मेल में दावा किया गया कि परिसर में 21 बम रखे गए हैं और इस्लामी समय अनुसार जौहर की नमाज के बाद, दोपहर 1:30 बजे सीरियल ब्लास्ट किए जाएंगे।धमकी की जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गई। बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने सभी परिसरों में सघन तलाशी अभियान चलाया। एहतियात के तौर पर अस्पताल और विश्वविद्यालयों की इमारतें खाली कराई गईं, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जांच के दौरान कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिसके बाद पुलिस ने इसे फर्जी धमकी करार दिया।इसी दौरान अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय और अरेरा हिल्स स्थित वाणिज्यिक कर कार्यालय को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले। विश्वविद्यालय प्रशासन ने तुरंत परिसर खाली कराकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद वहां भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का सरकार पर हमला, कहा- जनसेवा मित्रों को हटाना युवाओं के भविष्य से खिलवाड़

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश में जनसेवा मित्रों को हटाने के फैसले को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य सरकार के इस निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए इसे हजारों युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय बताया है।जीतू पटवारी ने बुधवार को बयान जारी करते हुए कहा कि मध्यप्र देश में करीब 9390 जनसेवा मित्र वर्षों से प्रशिक्षित होकर जमीनी स्तर पर जनता और सरकार के बीच सेतु का काम कर रहे थे। इन युवाओं को अचानक हटाना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सरकार की संवेदनहीनता को भी दर्शाता है।उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ सरकार रोजगार देने के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर पहले से कार्यरत और अनुभवी युवाओं को हटाकर 'सीएम यंग इंटर्न' जैसी अस्थायी योजनाएं लागू कर रही है। इससे सरकार की नीयत और नीतियों पर सवाल खड़े होते हैं।

पीसीसी चीफ पटवारी के मुताबिक, युवाओं को स्थायी रोजगार, सम्मान और सुरक्षित भविष्य की जरूरत है, न कि अस्थायी योजनाओं और अनिश्चितता की। ऐसे फैसले न केवल युवाओं का भरोसा तोड़ते हैं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असंतोष को भी बढ़ावा देते हैं।उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की है कि इस फैसले पर तुरंत पुनर्विचार किया जाए और सभी जनसेवा मित्रों को बहाल कर उनके भविष्य को सुरक्षित किया जाए।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री साय से उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने की सौजन्य मुलाकात

भोपाल, (निप्र) छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से रायपुर स्थित उनके निवास में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री शुक्ला का शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों के मध्य क्षेत्रीय विकास, आपसी समन्वय एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही दोनों राज्यों के बीच सहयोग को और सुदृढ़ करने पर भी सहमति व्यक्त की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बताया कि अब रीवा-रायपुर से सीधे हवाई मार्ग से जुड़ गया है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के साझा प्रयासों से दोनों राज्यों के लोगों को हवाई सेवा की बड़ी सौगात मिली है।

मुख्य सचिव श्री जैन से आईज़ीआई वेंचर्स के संस्थापक ने की भेंट

मध्यप्रदेश की नीति के तहत ड्रोन निर्माण करेगी कंपनी

भोपाल, (निप्र.)। मुख्य सचिव अनुराग जैन से बुधवार को मंत्रालय में आईज़ीआई वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के संस्थापक इशान हैडन ने भेंट की। इस अवसर पर राज्य में ड्रोन इको-सिस्टम को और मजबूत करने, संभावित नई साझेदारियों को विकसित करने तथा इस क्षेत्र में तेज़ी से प्रगति करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इस पहल से "मेक इन इंडिया" और आत्मनिर्भर भारत के विज़न को सशक्त करते हुए मध्यप्रदेश में उन्नत ड्रोन तकनीक के विकास, स्थानीय रोजगार सृजन और इंडस्ट्री इको-सिस्टम को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।आईज़ीआई कंपनी भारत में नैनो और माइक्रो श्रेणी के ड्रोन सेगमेंट में मध्यप्रदेश सरकार की ड्रोन नीति के तहत राज्य में अपने मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशंस की शुरुआत कर रही है। आईज़ीआई मध्यप्रदेश में इस स्तर पर ड्रोन निर्माण शुरू करने वाली शुरुआती कंपनी है। ये उन्नत ड्रोन सर्विलांस, टेक्नीकल मिशन, इंफ्रा-स्ट्रक्चर निरीक्षण, सर्वेक्षण तथा विभिन्न औद्योगिक और सुरक्षा उपयोगों के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये ड्रोन जीपीएस-डिनाइड (जीपीएसडिनाइड) परिस्थितियों में भी प्रभावी रूप से संचालन करने में सक्षम होंगे, जिससे इनका उपयोग रक्षा और संवेदनशील क्षेत्रों में और अधिक महत्वपूर्ण होगा।

खर्च में फिसड्डी, कर्ज में अव्वल, अजय सिंह का प्रदेश सरकार पर तीखा हमला

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश की वित्तीय स्थिति को लेकर सियासत गरमा गई है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अजय सिंह ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार बजट खर्च करने में नाकाम और कर्ज लेने में सबसे आगे है।अजय सिंह ने बुधवार को अपने बयान में कहा कि, वित्त वर्ष खत्म होने में महज कुछ दिन शेष हैं, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार अब तक करीब 33त्न बजट खर्च नहीं कर पाई है। यह राशि लगभग 1.10 लाख करोड़ रुपये बताई जा रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पूरे साल निष्क्रिय रहने के बाद अब सरकार आखिरी दिनों में जल्दबाजी में पैसा खर्च कर रही है, जो भ्रष्टाचार और फिजूलखर्ची की आशंका पैदा करता है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य, लोक निर्माण, कृषि और नवकरणीय ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण विभागों में औसतन केवल 60त्न बजट ही खर्च हो सका है। इसे उन्होंने सरकार की प्रशासनिक विफलता करार दिया। अजय सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार विकास के नाम पर लगातार कर्ज ले रही है, जबकि बजट का सही उपयोग नहीं कर पा रही।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने जल भवन में राज्य स्तरीय जल महोत्सव कार्यक्रम का जल अर्पण कर शुभारंभ किया

गेहूँ खरीदी में किसानों को नहीं होगी परेशानी, सभी तैयारियां हो चुकी पूर्ण : मंत्री कंषाना

भोपाल,(निप्र.) । मध्य प्रदेश के किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि राज्य सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी की तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। प्रदेश में गेहूँ उपार्जन कार्य चरणबद्ध रूप से प्रारम्भ किया जाएगा। गेहूँ खरीदी में किसानों को बिल्कुल परेशानी नहीं होगी।मंत्री कंषाना ने बुधवार को जारी संदेश में कहा कि इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभागों में गेहूँ खरीदी 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी, जबकि शेष संभागों में 7 अप्रैल 2026 से खरीदी प्रारम्भ की जाएगी। गेहूँ उपार्जन शासकीय कार्य दिवसों में प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा, जिससे किसानों को सुविधाजनक समय मिल सके। राज्य सरकार ने किसानों को अतिरिक्त लाभ देने के उद्देश्य से गेहूँ खरीदी पर 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही अब किसानों से गेहूँ की खरीदी 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी।मंत्री कंषाना ने कहा कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये प्रदेश के कुल 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष के 15 लाख 44 हजार किसानों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह किसानों का सरकार की नीतियों पर बढ़ता विश्वास दर्शाता है।मंत्री कंषाना ने कहा कि सरकार किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सभी खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए ठंडे पेयजल, पंखों, छाया तथा आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जा रही है, जिससे किसानों को धूप में खड़े होकर किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मंत्री कंषाना ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध ढंग से संचालित की जाए तथा किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

शासकीय नर्सरियों को बनाया जायेगा आदर्श नर्सरी : मंत्री श्री कुशवाह

उद्यानिकी मंत्री द्वारा बैतूल की कम्पनी गार्डन नर्सरी का निरीक्षण

भोपाल (ए.)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि प्रदेश की शासकीय नर्सरियों को आदर्श नर्सरी के रूप में विकसित किया जायेगा। इसके लिये विभाग द्वारा विस्तृत कार्य योजना तैयार की गयी है। वर्तमान में प्रदेश के 55 जिलों में 300 रोपणी/प्रक्षैत्र संचालित किये जा रहे हैं। इनमें उच्च गुणवत्ता की पौध-रोपण सामग्री उपलब्ध करायी जा रही है। मंत्री श्री कुशवाह ने बैतूल जिले में शासकीय उद्यान कम्पनी गार्डन का निरीक्षण कर इसे आधुनिक बनाने के निर्देश दिये। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें किसान भाइयों को परम्परागत खेती के साथ उद्यानिकी फसलों फल, फूल, सब्जियों के उत्पादन के लिये प्रेरित किया जा रहा है जिससे कि किसान भाइयों को उत्तम गुणवत्ता के पौध और बीज प्राप्त हो सकें। मंत्री श्री कुशवाह ने प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों के जिले की 10 नर्सरियों को हाईटेक नर्सरी के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने बैतूल की कम्पनी गार्डन शासकीय नर्सरी को और अधिक आकर्षक और फल-फूलों से समृद्ध बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। मंत्री श्री कुशवाह नर्सरी का सघन निरीक्षण किया तथा वहाँ उपलब्ध पौधों, फलों और उपकरणों के विषय में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

नौकरी देने से मना करने पर गुस्साये नाबालिग, चोरी कर ले भागा 15 लाख का डंपर

जीआरपी ने 48 घंटो के भीतर ही किया गिरफ्तार

भोपाल(ए.)। जीआरपी भोपाल की टीम एक ऐसे नाबालिग किशोर को गिरफ्तार किया है, जिसने उसे नाबालिग देख ड्रायवर की नौकरी देने से मना करने वाले डंपर मालिक का डंपर ही चोरी कर लिया। आरोपी किशोर को मंहगे शौक की लत है, और इन पैसो से वह अपने शौक पूरे करना चाहता था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

- आधी रात को मिली थी डंपर चोरी की शिकायत

थाना प्रभारी निरी.जहीर खॉन से मिली जानकारी के अनुसार बीती 15 मार्च की करीब आधी रात को थाने पहुचें करोंद निवासी मिराज खॉन पिता इमामुल्लाह खॉन (31) ने शिकायत करते हुए बताया की उनका एक डम्पर ट्रक रेलवे परिक्षेत्र पश्चिम रेलवे कॉलोनी के निर्माणाधीन समदड़िया ग्रुप की साइट से चोरी हो गया है। शुरुआती जॉच के बाद अज्ञात के खिलाफ मामला कायम कर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरु की।

- डंपर में ही सोता मिला आरोपी किशोर

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की मदद से मिला सुराग

जॉच टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाले इन फुटेज के साथ ही टीम को डंपर चोरी मामले में मुखबिर से अहम सुराग हाथ लगे। जीआरपी टीम को सूचना मिली की चोरी गया डंपर जेपी नगर कार्बाइड फैक्ट्री के पास खड़ा है। पुलिस फौरन ही मौके पर पहुचीं जहॉ डंपर में एक नाबालिग किशोर सोता हुआ मिला। उसे उतारकर पूछताछ करने पर उसने बताया की यह डंपर उसने की चोरी किया है, और इसे कहीं और ले जाने की फिराक में था, लेकिन रात अधिक होने के कारण पुलिस से बचने के लिये वह सो गया और सुबह नींद नहीं खुलने पर शहर में नो एंट्री लग जाने के कारण वह शहर नहीं छोड़ सका।किशोर ने पुलिस को बताया की वह डंपर चोरी करने से एक दिन पहले ही फरियादी सेठ मिराज खॉन से काम मांगने गया था। लेकिन उसकी छोटी उम्र देखकर उसे नौकरी देने से मना करते हुए काम पर रखने से इंकार कर दिया। वह पढ़ा लिखा नहीं है, लेकिन छोटी उम्र से ही वह निर्माण साईटो पर ट्रक चालको के साथ रहते हुए क्लीनरी का काम करते-करते डंपर सहित अन्य भारी वाहन चलाना भी सीख गया था। वहीं नौकरी देने से इंकार करने पर उसने गुस्से में आकर फरियादी का वह खड़ा हुआ डंपर चोरी कर लिया जिसमें पहले ही चाबी लगी थी। आरोपी किशोर डंपर को चोरी कर खुद ही चलाकर चोरी कर ले भागा था। पुलिस ने चोरी गया 15 लाख का डंपर जप्त करते हुए आरोपी किशोर की काउंसलिंग कराने के बाद किशोर न्यायलय प्रकरण भेजा। बाद में नाबालिग आरोपी को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

- इनकी रही सराहनीय भुमिका

डंपर चोरी का कम समय में खुलासा करने वाली टीम में थाना जीआरपी निरीक्षक जहीर खॉन,उनि मिथलेश भरद्वाज, प्र.आर.राजेश शर्मा,अनिल सिंह,आर.सचिन जाट,बृजेश कारपेंटर की सराहनीय भूमिका रही।

अवैध भंडारण एवं व्यावसायिक इस्तेमाल करते पाये जाने पर 22 रसोई गैस सिलेंडर जब्त

जबलपुर (ए.) रसोई गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण एवं दुरूपयोग को रोकने के कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार राजस्व, पुलिस एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आज मंगलवार को होटल एवं रेस्टोरेंट का आकस्मिक निरीक्षण कर 22 गैस सिलेंडर जब्त किये हैं।

कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व, पुलिस एवं खाद्य विभाग की टीमों ने मंगलवार को पाटन में जैन होटल से तीन घरेलू रसोई सिलेंडरों को व्यावसायिक इस्तेमाल पाये जाने पर जब्त किया है। इसी प्रकार रांझी तहसील के अंतर्गत कार्यपालिक दंडाधिकारी मौसमी केवट के नेतृत्व में की गई कार्यवाही में लकी किचिन फ्लेवर से अवैध रूप से भंडारित आठ घरेलू एवं पांच कमर्शियल गैस सिलेंडर तथा इंदिरा मार्केट स्थित कृष्ण वेज थाली रेस्टोरेंट से छह घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों को व्यावसायिक इस्तेमाल करते पाये जाने पर जब्त किया गया हैं।

खनिज गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त 2 वाहनों को किया जप्त

बैतूल(ए.)। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत खनिज विभाग द्वारा 18 मार्च को खनिज अमले के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सघन दौरा कर आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान खनिज विभाग द्वारा तहसील आमला क्षेत्रांतर्गत ग्राम डहुआ मुलताई के समीप से खनिज गिट्टी के बिना रॉयल्टी के परिवहन में संलिप्त 01 डम्पर क्रमांक एमपी 48 एच 1625 को जप्त कर पुलिस चौकी दुनावा मुलताई की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। वहीं आमला क्षेत्रांतर्गत ग्राम नरेश बोरदेही रोड आमला से खनिज गिट्टी के ओवरलोड परिवहन में संलिप्त 1 डम्पर क्रमांक एमपी 48 जेडई 5561 को जप्त कर पुलिस थाना आमला की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। सभी अवैध परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण नियम 2022 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही कर प्रकरणों को न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है।

आयुध निर्माणी गौरव दिवस मनाया गया

- कंपनीकरण से अस्तित्व बचाने लिया संकल्प

जबलपुर, (ए.)। 18 मार्च 1802 को आयुध निर्माणी अस्तित्व में आया तब से 18 मार्च को आयुध निर्माणी दिवस के रूप में कर्मचारियों द्वारा मनाया जाने लगा आजादी के बाद अब तक कुल 41 निर्माणियाअस्तित्व में है इनमें काम करने वाले कर्मचारी देश के तीनों सेना के लिए हथियार गोला बारूद वाहन एवं सैनिकों की वर्दी जूता इत्यादि विभिन्न सामानों का उत्पादन करते आ रहे हैं इन्हीं उत्पादों का इस्तेमाल कर 1962 1965 1971 एवं 1999 के जंग में उपयोग किया गया और जंग जीती गई। इन कारखानों को सेनाओं के बाद चौथा स्तंभ माना जाता था वर्तमान में इन 41 निर्माणियों को सात भागों में बांटकर अलग-अलग कंपनी में तब्दील कर दिया गया जिसमें इन कारखाने के अस्तित्व में गहरा संकट मंडराने लगा कोविड के समय जहां सरकारी कर्मचारियों ने सड़क पर उतर कर देश की जनता की मदद की, ठीक उसी के बाद 1 अक्टूबर 2021 में आयुध निर्माणियों के कर्मचारियों को कंपनियों के हवाले कर दिया गया मगर कर्मचारियों द्वारा अपना गौरव दिवस 18 मार्च को याद कर आयुध निर्माणियों दिवस मनाते आ रहे हैं निर्माणियों को बचाने हेतु एक मंच तैयार किया गया जिसका नाम यूनाइटेड फोरम ऑफ आर्डिनेंस एम्पलाई (यूएफओई) रखा गया जिसमें लगभग सभी श्रमिक संगठन के साथ अधिकारी वर्ग (आईओएफएस) इंडियन आर्डिनेंस फैक्ट्री सर्विसेज भी इस मंच में शामिल होकर निर्माणियों को बचाने हेतु संघर्षरत है आयुध निर्माणी दिवस पर जीसीएफ में सुबह निर्माणी के तीनों गेट पर सभी श्रमिक संगठन के नेता एवं पदाधिकारी द्वारा आयुध निर्माणियों का बैच लगाकर आयुध निर्माणियों का मान बढ़ाया एवं भोजन अवकाश के दौरान जीसीएफ के मुख्य द्वार पर निर्माणियों को बचाने एवं याद रखने हेतु शपथ ली गई। लिया गया जहां निर्माणी के मुख्य महाप्रबंधक राजीव गुप्ता ने शपथ का वाचन किया एवं कर्मचारियों ने इसे दोहराया। इस अवसर पर महाप्रबंधक राहुल चौधरी महाप्रबंधक ऋतुराज द्विवेदी महाप्रबंधक सतीश शर्मा के साथ यूनियन एसोसिएशन के विनय गुप्ता रोहित यादव उत्तम विश्वास अमित चंदेल राकेश रजक संदीप कतरे राजेश जंभुलकर सिद्धार्थ ठाकुर अजय रजक मनीष चौरसिया इत्यादि के साथ निर्माणी के कई अफसर एवं कर्मचारी नेता उपस्थित थे।

निवाली में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर 5 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

बड़वानी,(ए.)। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के निवाली में बुधवार को लोकायुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर (बीआरसी) को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। इंदौर लोकायुक्त की टीम ने आरोपी बीआरसी महेंद्र सिंह राठौर को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। इस मामले में एक सब इंजीनियर को भी सह-आरोपी बनाया गया है।लोकायुक्त डीएसपी सुनील तमांग के मुताबिक, शिक्षक जितेंद्र सोनी ने शिकायत दर्ज कराई थी। उनके स्कूल में बालिका शौचालय निर्माण के लिए 20 हजार रुपये स्वीकृत हुए थे। आरोप है कि बीआरसी और सब इंजीनियर ने काम की राशि में कटौती करते हुए 5 हजार रुपये कमीशन के तौर पर मांगे। शिक्षक को कहा गया कि 15 हजार में काम पूरा करें और बाकी 5 हजार में से 2-2 हजार रुपये दोनों अधिकारियों को तथा 1 हजार रुपये अन्य स्तर पर देने होंगे।शिकायत की पुष्टि के बाद लोकायुक्त टीम ने ट्रैप प्लान तैयार किया। बुधवार को शिक्षक को राजपुर स्थित एक एटीएम के पास आरोपी को रिश्वत देने भेजा गया। जैसे ही महेंद्र सिंह राठौर ने 5 हजार रुपये लिए, पहले से मौजूद सादी वर्दी में तैनात टीम ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया।

चैत्र नवरात्र मेला: मैहर में कड़ी सुरक्षा, ड्रोन से होगी निगरानी, वीआईपी दर्शन पर रोक

मैहर(ए.) । मध्यप्रदेश के मैहर स्थित मां शारदा देवी धाम में आयोजित होने वाले नवदिवसीय चैत्र नवरात्र मेले को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस बार मेले में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को विशेष रूप से सुदृढ़ किया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती रानी बाटड के निर्देश पर विभिन्न प्रमुख स्थलों पर 14 कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं, जो निर्धारित पालियों में अपने सहयोगी कर्मचारियों के साथ मुस्तैदी से ड्यूटी निभाएंगे। मेले की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों का उपयोग किया जाएगा, साथ ही सीसीटीवी कंट्रोल रूम से भी लगातार नजर रखी जाएगी।प्रशासन ने इस बार व्यवस्था में बदलाव करते हुए वीआईपी दर्शन पर पूरी तरह रोक लगा दी है। साथ ही श्रद्धालुओं का गर्भगृह में प्रवेश भी प्रतिबंधित रहेगा, ताकि भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था सुचारू बनी रहे। रोपवे कंट्रोल रूम, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, मंदिर प्रांगण, सीढ़ी मार्ग, व्हीआईपी चैनल गेट और मेला क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में अधिकारियों की तैनाती की गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में निगरानी और नियंत्रण प्रभावी रूप से सुनिश्चित किया जा सके।वहीं, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन भी सक्रिय है। उपनिरीक्षक विक्रम पाठक ने ऑटो चालकों की बैठक लेकर उन्हें श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ओवरस्पीड, ओवरलोडिंग और ओवरटेकिंग से बचने की सख्त हिदायत दी गई है। रीवा और कटनी से आने वाले ऑटो वाहनों को शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी, उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करें और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें, ताकि नवरात्र मेला शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न हो सके।

खाद्य विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण कर अवैध रूप से भण्डारित 8 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए

ग्वालियर,(ए.)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में एलपीजी (रसोई गैस) का अनाधिकृत भण्डारण व रीफिलिंग रोकने एवं रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति के लिये राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत विशेष मुहिम चलाई जा रही है। इस कड़ी में बुधवार को खाद्य विभाग की टीम ने विभिन्न गैस एजेंसियों व संदिग्ध स्थलों पर गैस के अवैध भण्डारण का निरीक्षण कर आठ सिलेंडर जब्त किए। जिला आपूर्ति नियंत्रक से प्राप्त जानकारी के अनुसार खाद्य विभाग की टीमों ने बुधवार को ठाठीपुर स्थित बबलू गैस रीफिलिंग व सन्मति गैस सर्विस, पिंटो पार्क एवं हजीरा क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान समर्थ नगर पिंटो पार्क स्थित अमित उपाध्याय के घर पर अवैध रूप से भण्डारित 8 एलपीजी सिलेंडर खाद्य विभाग की टीम ने जब्त किए हैं।

व्यापार समाचार

Audi ने भारत में उतारी धांसू कार, पलक झपकते ही पकड़ती है 100 की रफ्तार; इतनी है कीमत

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में तहलका मचाने के लिए दिग्गज जर्मन कार निर्माता कंपनी ऑडी ने अपनी नई और बेहद दमदार प्रीमियम कार ऑडी एसक्यू8 (Audi SQ}) को लॉन्च कर दिया है। रफ्तार और लग्जरी के शौकीनों के लिए यह कार एक बेहतरीन सौगात है। कंपनी ने अपनी इस नई पेशकश को स्टैंडर्ड क्यू8 (Q8) और टॉप मॉडल आरएस क्यू8 (RS Q8) के बीच के खाली गैप को भरने के लिए बाजार में उतारा है। इस धांसू एसयूवी में 4 लीटर का दमदार ट्विन-टर्बो वी8 इंजन दिया गया है, जो इसके टॉप मॉडल आरएस क्यू8 में भी मिलता है, हालांकि एसक्यू8 के लिए इसे थोड़ा डीट्यून किया गया है। कार की आधिकारिक बुकिंग शुरू हो चुकी है।

कीमत में स्टैंडर्ड मॉडल से 65 लाख रुपये महंगी

ऑडी ने अपनी इस शानदार एसक्यू8 को 1.78 करोड़ रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर भारतीय बाजार में उतारा है। कीमत की तुलना करें तो, ऑडी की स्टैंडर्ड क्यू8 की कीमत 1.13 करोड़ रुपये है, जबकि इसके हाई-परफॉर्मेंस आरएस क्यू8 मॉडल की कीमत 2.34 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) है। इस लिहाज से नई एसक्यू8 अपने स्टैंडर्ड ट्रिम के मुकाबले 65 लाख रुपये महंगी है, लेकिन टॉप परफॉर्मेंस ट्रिम से करीब 56 लाख रुपये सस्ती भी है, जो इसे ग्राहकों के लिए एक परफेक्ट मिडल ग्राउंड बनाता है।

महज 4.1 सेकंड में 100 की स्पीड, इंजन में है जबरदस्त पावर

नई ऑडी एसक्यू8 की सबसे बड़ी खासियत इसका पावरफुल इंजन और तेज रफ्तार है। इसमें दिया गया 4 लीटर का ट्विन टर्बो वी8 इंजन 507 एचपी की जबर्दस्त पावर और 770 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस दमदार इंजन को 8-स्पीड ऑटोमेटिक गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है, जो कार के सभी पहियों (ऑल व्हील ड्राइव) तक पावर पहुंचाता है। कंपनी का दावा है कि यह भारी-भरकम एसयूवी सिर्फ 4.1 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है और इसकी टॉप स्पीड 250 किलोमीटर प्रति घंटे तक सीमित की गई है। बेहतरीन राइड क्वालिटी के लिए कार में एयर सस्पेंशन और स्टैंडर्ड रूप से मैट्रिक्स एलईडी हेडलाइट्स के साथ हेडलाइट वॉशर जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 50 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.87 पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में है इसी से रुपये में गिरावट आई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती एवं अमेरिकी मुद्रा में तेजी से भी मुद्रा पर दबाव डाला। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले की प्रतीक्षा में सतर्कता बरत रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.87 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 50 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर मार्किट में बड़ी महारिकवरी, निवेशकों ने एक दिन में कमाए 5.5 लाख करोड़

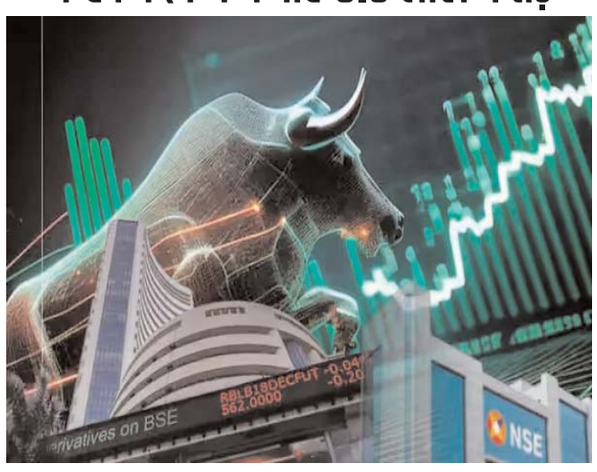

मुंबई(ए.)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे सत्र में तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। आईटी और रियल्टी शेयरों के समर्थन से घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क दिन के उच्चतम स्तर के करीब बंद हुए।इस दौरान, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत या 633.29 अंक बढ़कर 76,704.13 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी50 0.83 प्रतिशत या 196.65 अंक बढ़कर 23,777.80 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने जहां Open 76,367.55 पर खुलकर 77,000.22 के उच्चतम स्तर को छुआ, वहीं निफ्टी ने 23,632.90 पर खुलकर 23,862.25 का उच्चतम स्तर छुआ।

निवेशकों ने 5.51 लाख करोड़ कमाए

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज बढ़कर 438.81 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन 433.30 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह BSE में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 5.51 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। या दूसरे शब्दों में कहें तो निवेशकों की संपत्ति में करीब 5.51 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।बुधवार के सत्र में भी समग्र बाजार में तेजी देखने को मिली। व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया और निफ्टी मिडकैप में 2.02 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.67 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मीडिया (3.35 प्रतिशत की उछाल), निफ्टी आईटी (2.78 प्रतिशत की तेजी) और निफ्टी रियल्टी (2.75 प्रतिशत की तेजी) सबसे अधिक लाभ कमाने वाले इंडेक्स रहे। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो में 1.92 प्रतिशत, निफ्टी बैंक में 0.82 प्रतिशत और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.79 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। जबकि निफ्टी एफएमसीजी में मामूली गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी50 इटरनल, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, इंफोसिस, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, एक्सिस बैंक, इंडिगो, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस और अदाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। जबकि, सिप्ला, एचयूएल, कोल इंडिया, एनटीपीसी, सनफार्मा, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, अपोलो हॉस्पिटल्स और हिंडाल्को के शेयर सबसे ज्यादा नुकसान झेलने वाले शेयरों में शामिल रहे।

सेंसेक्स में आई इस तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में लगभग 5 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि हुई, जिससे यह पहले के 433 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 438 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 567, निफ्टी 172

मुम्बई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 567.99 अंक बढ़कर 76,070.84 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 172.35 अंक की तेजी के साथ ही 23,581.15 के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निवेशकों ने ऑटो, मेटल और रियल्टी क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी की जिससे बाजार को बल मिला। वहीं एशियाई व अमेरिकी बाजारों की तेजी से भी कारोबार बढ़ा। जापान का निक्केई 225 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। वहीं, अमेरिकी बाजार भी मजबूती के साथ बंद हुए, जहां एसएंडपी 500 और नैस्डैक में अच्छी तेजी रही। इससे पहले आज सुबह मेटल और ऑटो सेक्टर में खरीदारी से प्रमुख सूचकांकों को मजबूती दी। एशियाई बाजारों से मिले बेहतर संकेतों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया, जिससे बाजार की दिशा ऊपर की ओर बनी रही। कारोबार के दौरान निफ्टी बढ़त के साथ 23,503.95 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं सेंसेक्स भी 280.68 अंक चढ़कर 75,768.53 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। बाजार में यह तेजी मुख्य रूप से मेटल और ऑटो कंपनियों में आई खरीदारी के कारण रही। हालांकि आईटी सेक्टर में कमजोरी का रुख बना रहा। इंफोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे आईटी इंडेक्स पर दबाव बना और यह सेक्टर दिन का सबसे कमजोर सेक्टर रहा।

सोने और चांदी में आई नरमी

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। आज दोनो के ही वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सुबह के समय सोने के वायदा भाव 1,55,750 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,51,000 रुपये के करीब कामकाज कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में कारोबार रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 327 रुपये टूटकर 1,55,658 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इससे पिछला बंद भाव 1,55,985 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 201 रुपये की गिरावट के साथ 1,55,784 रुपये के स्तर पर कामकाज कर रहा था। इस समय इसने 1,55,784 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर और 1,55,600 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे

दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 1,615 रुपये नीचे आकर 2,51,498 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,53,113 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 2,107 रुपये की गिरावट के साथ 2,51,006 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 2,51,498 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 2,50,919 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में नरमी रही है। कामेक्स पर सोना आज 5,010.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,008.20 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे जबकि कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 79.39 डॉलर के भाव पर खुले। इस पिछला बंद भाव 79.92 डॉलर था।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

रैप म्यूजिक से बनाई पहचान

पुराने दलों एवं नेताओं का मखौल उड़ाना और उन्हें देश की समस्याओं की जड़ बताना बालेंद्र शाह के रैप गानों का थीम रहा। इस तरह उन्होंने जन भावनाओं को आवाज दी। असर हुआ कि लोगों ने उनको ही समाधान मान लिया है। नेपाल के चुनाव नतीजों से साफ है कि वहां के लोग पुरानी पार्टियों और नेताओं से कितने आजिज़ आ चुके थे। नेपाली कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल), और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को उन्होंने सिरे से ठुकरा दिया है। अब उन्होंने अपना दांव ऐसे नेता पर लगाया है, जिन्होंने अपनी पहचान रैप म्यूजिक से बनाई और उसी माध्यम से राजनीति में लोकप्रिय हुए। बालेंद्र शाह पहले अपने दम पर काठमांडू के मेयर बने और अब पिछले सितंबर की उथल-पुथल के बाद हुए चुनाव में लोगों की उम्मीद का सबसे बड़ा प्रतीक बन कर उभरे हैं। शाह के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) नेपाल के हालिया इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल करने में कामयाब हुई है। शाह ने चुनाव अभियान भी रैपर के बतौर चलाया। पुराने दलों और नेताओं का मखौल उड़ाना और उन्हें देश की तमाम समस्याओं की जड़ बताना उनके रैप गानों का थीम रहा है। इस तरह उन्होंने लोगों के भावनाओं को आवाज दी। असर हुआ कि लोगों ने उनको ही समाधान मान लिया है। मगर चाहे राजनीतिक संस्कृति से जुड़ी समस्याएं हों या ठोस आर्थिक मसले- उनका समाधान रैप अथवा किसी संगीत से नहीं निकल सकता। इसके लिए ठोस कार्यक्रम एवं योजनाओं की जरूरत होगी। इस मामले में शाह के पास कोई सोच या नजरिया है, इसका कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है। बल्कि वे एक ऐसी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के बतौर जीते हैं, जिसके नेता पर भ्रष्टाचार के इतने गंभीर आरोप हैं कि जेन-जी विद्रोह के पहले तक वे जेल में थे। अपनी खराब छवि के कारण ही रवि लामिछाने ने शाह को पार्टी का चेहरा बनाया। ये दांव कामयाब रहा। लेकिन आगे का रास्ता कठिन है। आरएसपी की सरकार को मतदाताओं की ऊंची उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। बेरोजगारी, युवाओं के सामने अवसरहीनता, गरीबी और आम विकास की कसौटियों पर पिछड़ापन वे समस्याएं हैं, जिनका समाधान नेपाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियां नहीं ढूंढ पाईं। इसके लिए प्रयासरत होने के बजाय उनके नेता आलीशान जिंदगी जुटाने में लग गए। क्या आरएसपी उससे अलग संस्कृति और समाधान दे पाएगी, यह अब मुख्य प्रश्न है।

संवत 2083: परंपरा, खगोल और हमारी साझी विरासत का नया पड़ाव

दिलीप कुमार पाठक

समय का पहिया जब एक निश्चित बिंदु पर पहुँचता है, तो वह अपने साथ स्मृतियों और नई संभावनाओं का एक साझा कोलाज लेकर आता है। आज भारतीय काल-गणना का एक नया अध्याय यानी विक्रम संवत 2083 जुड़ गया है। इसे किसी विशेष श्रेष्ठता के भाव से देखने के बजाय, समय को मापने की एक प्राचीन और खगोलीय पद्धति की निरंतरता के रूप में देखा जाना चाहिए। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का यह दिन केवल पंचांग के पन्ने पलटने का नाम नहीं है, बल्कि यह उस खगोलीय गणना का हिस्सा है, जो सूर्य और चंद्रमा की गति के आधार पर ऋतुओं के परिवर्तन को रेखांकित करती है। वसंत की विदाई और बढ़ती गर्मी के बीच प्रकृति में जो बदलाव दिखते हैं, वे इस बात का संकेत हैं कि जीवन का चक्र रुकता नहीं, बल्कि बदलता रहता है। पेड़ों पर आती नई कोपलें और रबी की पकती फसलें किसी महान उपलब्धि का प्रमाण नहीं, बल्कि एक सहज प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसे सदियों से मानवीय संवेदनाओं के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है।इसी तिथि को जब इतिहास के पन्नों में ब्रह्मा की सृष्टि रचना या प्रभु श्री राम के राज्याभिषेक जैसी मान्यताओं के साथ देखा जाता है, तो यह समाज की एक सामूहिक स्मृतिकथा का हिस्सा बन जाती है। यह महज एक संयोग नहीं है कि आज से ही चैत्र नवरात्रि की शुरुआत भी हो रही है, जो अगले नौ दिनों तक अनुशासन और संयम की एक साधना पद्धति को समाज के बीच रखती है। नवरात्रि का यह समय शक्ति की आराधना का वह पक्ष है जो पूरी तरह से मानसिक और शारीरिक शुद्धि पर केंद्रित रहता है। इसे किसी धार्मिक कट्टरता के बजाय आत्म-मंथन और संयमित जीवनशैली की एक कोशिश के रूप में समझा जाना चाहिए। कलश की स्थापना से लेकर माँ दुर्गा के नौ रूपों की पूजा तक, यह पूरी प्रक्रिया एक व्यक्ति को उसके आंतरिक द्वंद्वों से लड़ने और धैर्य रखने की प्रेरणा देती है। भारत जैसे भौगोलिक रूप से विविध देश में इस एक ही दिन के कई सामाजिक रंग दिखाई

(19 मार्च चैत्र नवरात्रारंभ, नव संवत्सर)

देते हैं। महाराष्ट्र में इसे गुड़ी पड़वा के रूप में एक विजय पताका के साथ मनाया जाता है, तो दक्षिण भारतीय राज्यों में उगादि के रूप में इसे नववर्ष का प्रतीक माना जाता है। यहाँ गौर करने वाली बात यह है कि उत्सव मनाने के तरीके अलग हो सकते हैं, लेकिन उनके केंद्र में समय की एक ही खगोलीय घटना विद्यमान है। राजस्थान के लिए भी आज का दिन एक प्रशासनिक और सांस्कृतिक तालमेल का है, जहाँ स्थापना दिवस के आयोजन को इस पारंपरिक तिथि के साथ जोड़ा गया है। यह फैसला आधुनिक व्यवस्था और प्राचीन मान्यताओं के बीच एक संतुलन बिठाने की कोशिश मात्र है।

बदलते हुए दौर में जब तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है, तब ऐसी परंपराओं का बने रहना समाज की निरंतरता को दर्शाता है। आज के दिन नीम की पत्तियों और गुड़ का सेवन करने की जो पुरानी रस्म है, वह जीवन के वास्तविक फलसफे को बड़ी सादगी से बयां करती है। यह हमें बताता है कि जीवन में अनुकूल और प्रतिकूल, दोनों ही परिस्थितियाँ अनिवार्य हैं और उन्हें बिना विचलित हुए स्वीकार करना ही मनुष्यता है। त्योहारों का असली संदर्भ यही है कि वे लोगों को एक सामूहिक धरातल पर खड़ा करते हैं, जहाँ व्यक्तिगत पहचान के बजाय सामाजिक जुड़ाव को प्राथमिकता मिलती है। आज जब शंख की ध्वनि सुनाई देती है या घरों के बाहर तोरण सजते हैं, तो वह समाज की उस साझा विरासत का प्रतीक है जो सदियों से बिना किसी बड़े बदलाव के चली आ रही है। संवत 2083 की यह पहली किरण हमें अपनी जड़ों को समझने और उन्हें बिना किसी पूर्वाग्रह के देखने का अवसर देती है। भाषा, संस्कृति और त्यौहार किसी भी समाज के वे बुनियादी तत्व होते हैं जो उसे एक धागे में पिरोए रखते हैं। जब हम इन परंपराओं का पालन करते हैं, तो हम वास्तव में उस ज्ञान और उन अनुभवों के प्रति अपनी सहज स्वीकृति दे रहे होते हैं जो पीढ़ियों से हम तक पहुँचे हैं। इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि समय के प्रवाह में वही समाज स्थिर रहता है जो अपनी पहचान को आधुनिकता के साथ संतुलित करना जानता है। आज का दिन हमें याद दिलाता है कि समय का रथ अपनी गति से चलता रहेगा और हमारा कर्तव्य केवल इस प्रवाह में अपनी भूमिका को ईमानदारी से निभाना है। विक्रम संवत 2083 का यह नया साल समाज के हर वर्ग के लिए स्थिरता और शांति का मार्ग प्रशस्त करे, यही समय की मांग है। यह वर्ष केवल अंकों का एक नया समूह न बने, बल्कि आपसी सद्भाव और बौद्धिक विकास का एक वास्तविक माध्यम बनकर उभरे। समय की रेत पर अंकित ये पदचिह्न हमें अपने बीते हुए कल और भविष्य के बीच सेतु प्रदान करते हैं। यह एक सुखद इत्तेफाक है कि खगोल और आस्था आज एक ही धरातल पर मिलते हैं।

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है। मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो।

जंग के बीच भारत की सफल कूटनीति से एलपीजी लेकर सुरक्षित भारत पहुंचे जहाज

सौरभ वार्ष्णेय

इसे भारत की सफल कूटनीति की जीत तो कहा ही जायेगा इसके साथ-साथ भारत ने अपनी अदम्य सहास का परिचय भी दे दिया है। यानी देशवासी अब चिंता न करें । एलपीजी की समस्या जल्द सामान्य हो जायेगी। क्योंकि जैसे युद्व के बीच दो जहाज का भारत एलपीजी लेकर आना भारत की सफलता मानी जायेगी। भारत शुरु से ही शांतिप्रिय देश है और हमेश से शांति में ही रहने से अपील करता आया है। ऐसे में मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बाद एलपीजी गैस की सप्लाई प्रभावित हुई इसमें कहने से गुरेज नहीं करना चाहिए क्योंकि एलपीजी का अधिक समय तक स्टोरेज नहीं कर सकते? ऐसे समय में जब भारत देश में गैस एजेंसी के बाहर लम्बी लम्बी लाइनें लग रही है जो कि अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारत में एलपीजी की आपूर्ति होना शुरू होने के बाद इस समस्या के अंत के अच्छे संकेत हैं। यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं अपितु यह हमारे भारत देश की सफल राजनीति, कूटनीतिज्ञ, दूरदर्शिता की महाजीत है।

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े युद्ध जैसे हालात के बीच भारत ने जिस तरह अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखते हुए एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की है, वह उसकी परिपक्व और संतुलित कूटनीति का स्पष्ट उदाहरण है। वैश्विक संकट के दौर में ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता की रीढ़ होती है, और भारत ने इस चुनौती को अवसर

में बदलने का काम किया है। भारत लंबे समय से ऊर्जा आयात पर निर्भर रहा है, विशेषकर पश्चिम एशिया के देशों पर। ऐसे में जब ईरान के आसपास भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा और सप्लाई चेन बाधित होने की आशंका बनी, तब भारत के सामने दोहरी चुनौती थी—एक ओर ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय दबावों के बीच संतुलन बनाए रखना। भारत की कूटनीतिक रणनीति यहां बहु-आयामी रही। एक तरफ उसने अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखा, वहीं दूसरी ओर ईरान जैसे महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार के साथ संवाद के दरवाजे खुले रखे। परिणामस्वरूप, भारत न केवल वैकल्पिक स्रोतों से रुकत्र की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सफल रहा, बल्कि आवश्यक मात्रा में ईंधन की उपलब्धता भी बनाए रखी। इस पूरी प्रक्रिया में भारत ने रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को मजबूती से अपनाया। भारत ने किसी एक धड़े में पूरी तरह झुकने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि संकट के बावजूद घरेलू बाजार में कच्चे तेल की उपलब्धता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा और कीमतों में भी अपेक्षाकृत स्थिरता बनी रही।

इसके अलावा, भारत ने सऊदी अरब, यूएई और अन्य ऊर्जा उत्पादक देशों के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत किया, जिससे सप्लाई के वैकल्पिक रास्ते खुले। यह कदम दर्शाता है कि भारत केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी कूटनीति पर काम कर रहा है।

हालांकि, यह भी सच है कि ऐसे संकट भारत के लिए चेतावनी भी हैं। ऊर्जा के लिए बाहरी निर्भरता को कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की जरूरत पहले से अधिक महसूस की जा रही है।

ईरान युद्ध के बीच कच्चे तेल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की संतुलित, व्यावहारिक और प्रभावी कूटनीति की बड़ी जीत है। यह संदेश भी देता है कि बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत अपने हितों की रक्षा करना अच्छी तरह जानता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

नौकरशाही में भ्रष्टाचार का अध्याय नहीं

हरिशंकर व्यास

इस पहेली को सुलझाया जा रहा है कि एनसीईआरटी ने आठवीं क्लास के बच्चों को न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाने का फैसला किया तो शासन के बाकी अंगों या लोकतंत्र के बाकी स्तंभों के बारे में क्यों नहीं कुछ सोचा? क्या एनसीईआरटी की किताब तैयार करने वाली कमेटी की नजरों में लोकतंत्र के बाकी तीन स्तंभ पाक साफ हैं? उनके यहां भ्रष्टाचार नहीं है? कहीं ऐसा तो नहीं है कि पर्ची निकाल कर तय किया गया कि पहले न्यायपालिका का भ्रष्टाचार पढ़ाया जाएगा और उसके बाद बाकी स्तंभों के भ्रष्टाचार के बारे में बताया जाएगा? क्योंकि दुनिया भर में प्रेस फ्रीडम को लेकर काम करने वाली ज्यादातर संस्थाओं ने भारत में मीडिया कि रेटिंग काफी नीचे रखी है। भारत में मीडिया की विश्सनीयता भी बाकी संस्थाओं से कम है। सत्ता पक्ष के नेताओं ने सरकार पर सवाल उठाने वालों को टुकड़े टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल का टैग दे दिया तो दूसरी ओर विपक्ष ने सरकार का समर्थन करने वालों को गोदी मीडिया या भक्त मीडिया का टैग दे दिया। इसका मतलब है कि किसी की नजर में मीडिया विश्वसनीय नहीं है। लेकिन एनसीईआरटी ने मीडिया में भ्रष्टाचार या कंप्रोमाइज को लेकर पाठ नहीं तैयार किया।

इसी तरह जिस दिन 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' शीर्षक अध्याय को लेकर विवाद शुरू हुआ उसी दिन अखबारों के पहले पन्ने पर ओडिशा के माइंस डिपार्टमेंट के एक डिप्टी डायरेक्टर के यहां विजिलेंस विभाग की कार्रवाई की खबर थी। खबर के साथ तस्वीरें भी थीं, जिसमें चारों तरफ नोट ही नोट दिखाई दे रहे थे। डिप्टी डायरेक्टर स्तर के अधिकारी के यहां छापे में चार करोड़ रुपए नकद बरामद हुए। इसके अलावा जमीन और फ्लैट के कागजात और जेवर आदि अलग से बरामद हुए। ऐसा नहीं है कि यह कोई अपवाद वाली खबर थी। यह सबसे रूटीन की खबर है। किसी क्लर्क के यहां या किसी चपरासी के यहां छापे में लाखों, करोडों रुपए की जब्ती बहुत आम बात है। बड़े नौकरशाह तो अरबों के आसामी होते हैं। फिर भी नौकरशाही में भ्रष्टाचार का अध्याय नहीं जोड़ा गया। क्या एनसीईआरटी की नजर में अधिकारी भी पवित्र गाय हैं ?प्रेस और कार्यपालिका के अलावा लोकतंत्र का सबसे प्रमुख स्तंभ विधायिका है। देश में आठ सौ से कुछ कम सांसद और चार हजार से कुछ ज्यादा विधायक हैं। पिछले दिनों कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक पांच लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार हुए। देश की हर पार्टी के कुछ न कुछ नेता किसी न किसी मामले में आरोपी हैं।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। आज आपको बेकार में तनाव लेने की जरूरत नहीं है। जिंदगी का एक बड़ा सबक इस बात को मान लेना है, कि बहुत सी चीजों को बदलना नामुमकिन है।

वृष राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नए नये मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी। प्राइवेट जॉब में कार्यरत लोगों को आज प्रमोशन मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं, जहां आप तोल मोलकर बोले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। पैसों का उपयोग सही तरीके से करेंगे और जीवन में संतुलन बनाए रखेंगे और कुछ पुरानी परिस्थितियों में बदलाव होने में समय लगेगा। आज किसी काम को सही तरीके से पूरा करने की कोशिश करें। आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क राशि- आज आपका मन राजनीतिक और सामाजिक कार्यों की तरफ अधिक रहेगा। राजनितिक मामले में आज सुखद यात्रा के योग बन रहे हैं। रोजमर्रा के काम समय से पूरे होगें उनसे फायदा भी मिल सकता है। आपका नए वाहन का खरीदने का सपना आज पूरा होगा।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। काफी समय से चल रही बीमारी से आपको छुटकारा मिल सकता है।

कन्या राशि-आज का दिन जीवन में एक नई ऊर्जा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा। परिवार के कुछ लोग आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं।

तुला राशि- कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको ठंडे दिमाग से सोचने की जरूरत है , महत्वपूर्ण परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई अपने काम में आपसे मदद मांगेंगे। आपके सामाजिक योगदान संबंधी कार्यों के लिए आपको सम्मानित किया जाएगा। मेडिकल की पढ़ाई कर रहें छात्रो को सीनियर्स का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी भी योजनाएं बनाएंगे जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। पारिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगो को आज बढ़िया मुनाफा होगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज आप सभी जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता ने व्यापार में जो जिम्मेदारियां दी हुई हैं उसे भी आप पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। इस राशि के जो लोग फर्नीचर का व्यापार कर रहे है, उन्हें उम्मीद से ज्यादा फायदा होगा। परिवार में सभी आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज आप किसी लंबी यात्रा पर जा सकते हैं जहां आपको अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए नए अवसर प्राप्त होंगे साथी बड़ी डील फाइनल हो सकती है जिससे आपकी आर्थिक समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

कुंभ राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है। जिसके लिये आपको ओवर टाइम करना पड़ेगा। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुकसान से बच जाएंगे।

मीन राशि- आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते हैं वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। लवमेटस आज साथ में अधिक समय बितायेंगे और साथ ही डिनर प्लान कर सकते हैं। आज आपका रुका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा।

(विचार-मंथन) बुरी तरह फंसे दुनिया के दादा ट्रंप

- सनत जैन /

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाला उसके बाद से उनका अहंकार चरम पर पहुंच गया। वह अपने आपको शांति का मसीहा बताना चाहते थे। सारी दुनिया में ट्रंप को एक विश्व गुरु के रूप में जाना जाए इसके लिए उन्होंने वह सब प्रयास किया जो वह कर सकते थे। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में वह राजनेता कम एक गैंगस्टर के रूप में ज्यादा नजर आए। पद संभालते ही उन्होंने यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को बंद कराने की कोशिश की। इजरायल और हमास के बीच चली जंग को लेकर वह इजरायल के पक्ष में खड़े हुए। गाजा को पूरी तरह से समाप्त करके वहां अमेरिकी कॉलोनी बनाने का प्रयास किया। उन्होंने सारी दुनिया के देशों में अपने परिवार के व्यापार को बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति पद का उपयोग किया। वह चाहते हैं, कि अमेरिका के वह तीसरी बार राष्ट्रपति बने, इसके लिए उन्होंने सारी दुनिया में अपनी ताकत का परचम फहराने की तो कोशिश की, सबसे पहले उन्होंने टैरिफ के माध्यम से सारी दुनिया के देशों को भयाक्रांत किया। अमेरिका की दादागिरी बताकर दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश की, लेकिन उनके अहंकार और दादागिरी के कारण उनका हर दांव उल्टा पड़ता चला गया। आज डोनाल्ड ट्रंप अपने ही बनाये हुए मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे हैं, लेकिन अब वह सामान्य व्यक्ति की तरह जिंदा रह पाएंगे या नहीं, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की दोस्ती उन्हें इतनी भारी पड़ेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। सत्ता के नशे में डूबे हुए डोनाल्ड ट्रंप अब अपनी कुर्सी बचाने के लिए ही संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। दरअसल इजरायल के उकसावे पर उन्होंने ईरान पर हमला किया। उन्होंने ईरान पर वेनेजुएला की तरह कब्जा करने की कोशिश की। वहां पर

विद्रोह करवाने की साजिश रची। लेकिन कहते हैं जब अंत समय आता है उस समय बुद्धि सबसे पहले खराब होती है। लगता है यही ट्रंप के साथ हुआ। जैसे ही ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता छोड़ने के लिए धमकाया गया और बाद में उनकी हत्या कर दी गई। एक स्कूल में हमला करके 180 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी गई। उसके बाद लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर गया है। फिलिस्तीन में भी बड़ी संख्या में निर्दोष महिलाओं और बच्चों की हत्या इजरायल द्वारा की गई थी। बीमार, मजबूर लोगों तक खाना नहीं पहुंचने दिया गया। अस्पताल में इलाज करा रहे बच्चे, बुजर्ग और महिलाओं को हमला करके मार दिया गया। वही सब पाप अब दोनों नेताओं के अस्तित्व को समाप्त करने जा रहे हैं। ईरान युद्ध में अमेरिका पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गया है। सभी सहयोगियों ने डोनाल्ड ट्रंप का साथ छोड़ दिया है। नाटो और यूरोपीय देशों को डोनाल्ड ट्रंप धमका रहे हैं, लेकिन इसका अभी कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन और इटली ने युद्ध में कूदने से इनकार कर दिया है। सारी दुनिया के देशों में हाहाकार मचा हुआ है। यहां तक कि खाड़ी के देश जहां अमेरिका ने एक तरह से अपना कब्जा जमा लिया था वह भी अमेरिका के पक्ष में खड़े नहीं हो रहे हैं। दूसरी ओर ईरान के पक्ष में चीन, रूस, उत्तर कोरिया और अन्य कई देश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खड़े होकर उसका समर्थन कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के साथी भी अब उनका साथ छोड़कर भाग रहे हैं। रही सही कसर अमेरिका में तेजी से बढ़ रही महंगाई पूरी किए दे रही है। बिना कांग्रेस की अनुमति के उन्होंने अपनी जिद में युद्ध शुरू कर लिया था। अमेरिका पर भारी कर्ज है। पिछले 20 दिनों में युद्ध में आर्थिक और सामरिक दृष्टि से जो नुकसान हुआ है उसके कारण अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों ही ट्रंप से नाराज है। वहीं एपिस्टिन फाइल ने भी बची हुई कसर को पूरी कर दी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जनाक्रोष बढ़ता चला जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप जो ईरान में आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता से अपदस्थ कराने की साजिश रच रहे थे अब वह सब अमेरिका में उनके साथ होता हुआ दिख रहा है। जो गड्ढा डोनाल्ड ट्रंप ईरान के सुप्रीमो के लिए खोद रहे थे अब वह गड्ढा उनके लिए तैयार हो गया है। जैसी करनी वैसी भरनी का सिद्धांत अब डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू पर लागू होता दिख रहा है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

गुरुवार 19 मार्च 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

कमर्शियल गैस सिलेंडर को लेकर सरकार का बड़ा फैसला, अब कारोबारियों की होगी चांदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंटर-मिनिस्ट्रियल ब्रीफिंग में देश की ऊर्जा आपूर्ति और रसोई गैस (LPG) वितरण को लेकर सरकार ने कई अहम और बड़े ऐलान किए हैं। घरेलू एलपीजी और पीएनजी की आपूर्ति बिना किसी कटौती के लगातार जारी रखने का भरोसा दिलाते हुए, सरकार ने भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में कमर्शियल गैस सिलेंडर पर अब सभी राज्यों को 10 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी कोटा देने का फैसला किया गया है। सरकार के इस कदम से छोटे व्यापारियों और रेस्टोरेंट मालिकों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें अक्सर मांग बढ़ने या त्योहारों के सीजन में गैस की किल्लत का सामना करना पड़ता था।

घरेलू गैस उत्पादन में बंपर उछाल

सरकार के लिए एक बड़ी राहत की खबर यह है कि देश के भीतर घरेलू एलपीजी उत्पादन में 40 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि वैश्विक और घरेलू स्तर पर एलपीजी की मौजूदा स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। इसी संकट को देखते हुए सरकार ने आम नागरिकों से एक विशेष और अहम अपील की है। सरकार ने कहा है कि जिन इलाकों में पीएनजी (PNG) पाइपलाइन की सुविधा उपलब्ध है, वहां के लोग एलपीजी सिलेंडर का मोह छोड़कर तुरंत पीएनजी कनेक्शन अपनाएं। इससे गैस वितरण का दबाव काफी हद तक कम होगा और यह गैस सिलेंडर के मुकाबले अधिक सुरक्षित और सुलभ भी है।

कालाबाजारी रोकने के लिए 2300 आउटलेट्स पर छापेमारी

गैस वितरण प्रणाली में पूरी तरह से पारदर्शिता बनाए रखने और कालाबाजारी पर नकेल कसने के लिए सरकार अब सख्त एक्शन मोड में आ गई है। इसी के तहत देशभर के 2300 एलपीजी रिटेल आउटलेट्स पर अचानक सरप्राइज चेकिंग और छापेमारी की गई। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि लोग गैस की कमी को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें। डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देते हुए ब्रीफिंग में बताया गया कि आज कुल एलपीजी बुकिंग का 93 फीसदी हिस्सा ऑनलाइन माध्यम से ही पूरा हुआ है। लोगों से खास अपील की गई है कि वे एलपीजी एजेंसी पर बेवजह भीड़ लगाने के बजाय आधिकारिक पोर्टल या ऐप के जरिए ही अपनी गैस बुक करें।

अब फ्लाइट में 60 प्रतिशत सीटों पर नहीं देना होगा चार्ज, केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि एयरलाइंस को सीट आवंटन प्रक्रिया को अधिक यात्री-अनुकूल बनाना होगा, जिसमें एक ही पीएनआर (PNR) पर यात्रा करने वाले यात्रियों को यथासंभव साथ या नजदीकी सीटों पर बैठाने की व्यवस्था की जाए।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) द्वारा जारी इन निर्देशों में यात्रियों के अधिकारों को मजबूत करने और सभी एयरलाइंस में एक समान व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया गया है। हालांकि, कम से कम 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने जैसी कोई बाध्यता स्पष्ट रूप से लागू नियम के रूप में नहीं बताई गई है; सीट आवंटन को पारदर्शी और उचित बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मंत्रालय के अनुसार, खेल उपकरण और वाद्य यंत्र ले जाने की सुविधा सुरक्षा और परिचालन नियमों के तहत पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, एयरलाइंस को पालतू जानवरों के परिवहन के लिए स्पष्ट और सार्वजनिक नीतियां जारी करनी होंगी। अन्य प्रमुख निर्देशों में उड़ान में देरी, रद्द होने या बोर्डिंग से वंचित किए जाने की स्थिति में यात्रियों के अधिकारों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना शामिल है। एयरलाइंस को अपनी वेबसाइट, मोबाइल ऐप, बुकिंग प्लेटफॉर्म और एयरपोर्ट काउंटरों पर यात्रियों के अधिकारों की जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करनी होगी। इसके अलावा, यह जानकारी क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता पहुंच सके। मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन चुका है। UDAN योजना के तहत हवाई यात्रा को अधिक किफायती और सुलभ बनाने के प्रयास जारी हैं। यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए मंत्रालय ने कई पहलें शुरू की हैं, जिनमें किफायती भोजन के लिए 'UDAN यात्री कैफे', किताबों तक मुफ्त पहुंच के लिए 'Flybrary' और हवाई अड्डों पर मुफ्त वाई-फाई जैसी सुविधाएं शामिल हैं। मंत्रालय ने दोहराया कि यात्रियों की सुविधा और अधिकारों की रक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ग्रैविटी के नियमों को चुनौती देता है देश के इस हिस्से में स्थित 'मैग्नेटिक हिल', अपने आप चलती है गाड़ियां

नई दिल्ली (ए.)। भारत एक बेहद खूबसूरत और रहस्यों से भरा देश है। यहां की प्राकृतिक संपदा इतनी विविध है कि हर कोना कुछ न कुछ अनोखा पेश करता है। लद्दाख की ऊंची-ऊंची बर्फीली चोटियां, नीला आसमान और रहस्यमयी जगहें इसे और भी खास बनाती हैं। ऐसी ही एक जगह है मैग्नेटिक हिल, जो गुरुत्वाकर्षण के नियमों को चुनौती देती है।लेह शहर से लगभग 30 किलोमीटर दूर लेह-कारगिल राष्ट्रीय राजमार्ग पर यह पहाड़ी स्थित है। यहां पर्यटक एक अनोखा अनुभव लेते हैं, यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं और वे आनंद उठाने के लिए अपनी गाड़ी को न्यूट्रल गियर में डालकर ब्रेक छोड़ते ही गाड़ी बिना किसी इंजन की मदद के ऊपर की ओर चलने लगती है। ऐसा लगता है जैसे कोई अदृश्य शक्ति गाड़ी को खींच रही हो।मैग्नेटिक हिल के पूर्व में बहती सिंधु नदी इस स्थान की खूबसूरती को और बढ़ा देती है। चारों ओर बर्फीले पहाड़, नीला आसमान और नदी का मनोरम दृश्य मिलकर यहां का नजारा बेहद आकर्षक बनाते हैं। पर्यटक यहां न केवल रहस्य का मजा लेते हैं, बल्कि लद्दाख की प्राकृतिक सुंदरता का भी आनंद उठाते हैं।स्थानीय मान्यता के अनुसार इस पहाड़ी से एक विशेष चुंबकीय बल निकलता है, जो वाहनों को अपनी ओर आकर्षित करता है और उन्हें ढलान के विपरीत दिशा में ले जाता है। इसी वजह से इसे 'मैग्नेटिक हिल' या 'ग्रैविटी हिल' कहा जाता है। दुनियाभर से आने वाले सैलानी यहां इस विचित्र घटना को देखने और खुद आजमाने के लिए पहुंचते हैं। कई यात्रियों ने इसकी पुष्टि की है कि गाड़ियां वाकई बिना एक्सीलरेटर दबाए ऊपर की ओर बढ़ती हैं, जिससे यह जगह पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई है। हालांकि, वैज्ञानिक इस घटना को चुंबकीय शक्ति नहीं, बल्कि एक 'ऑप्टिकल इल्यूजन' या दृष्टिभ्रम मानते हैं।

आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट में ममता सरकार का तक...ईडी को याचिका दाखिल करने का अधिकार नहीं

नई दिल्ली,(ए.)। बंगाल की राजधानी कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के ऑफिस और उसके को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर पर रेड मामले में दाखिल प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने सवाल खड़े किए हैं। ईडी की याचिका में दावा किया गया है कि रेड के वक्त मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आला पुलिस अधिकारियों के साथ पहुंचीं और छापेमारी में बाधा डालकर सबूत नष्ट किए। याचिका में रेड में बाधा डालने और सबूत नष्ट करने पर ममता और सीनियर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सीबीआई जांच की मांग की गई है।

इस याचिका पर बुधवार को बंगाल सरकार के वकील श्याम दीवान ने कहा कि ईडी अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल नहीं कर सकती है, यह अनुच्छेद मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए है और ईडी कोई व्यक्ति नहीं है इसलिए उसके मौलिक अधिकार नहीं हो सकते। वकील दीवान ने कहा कि क्या ईडी अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल कर सकती है, यह एक संवैधानिक प्रश्न है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 145 के तहत इसतरह के मामलों की सुनवाई करीब 5 जजों की बेंच में होनी चाहिए। इस पर ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बंगाल सरकार खुद आर्टिकल 32 के तहत रिट पिटीशन दाखिल कर चुकी है और केरल सरकार भी ऐसा कर चुकी है। इन्होंने राज्य के तौर पर याचिका दाखिल की थी।

बात दें कि इस मामले में ईडी का आरोप है कि 8 जनवरी 2026 को कोयला घोटाले से जुड़े मामले में जब वे आई-पैक के दफ्तर में छापेमारी कर रहे थे, तब ममता बनर्जी ने हस्तक्षेप किया, सबूतों को गायब किया और उनके काम में बाधा डाली। इस मामले में ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से ममता और बंगाल के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सीबीआई जांच की मांग की है। जबकि ममता सरकार ने दलील दी कि ईडी की याचिका दुर्भावनापूर्ण है और इसका उद्देश्य 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को निशाना बनाना है। राज्य सरकार के वकील श्याम दीवान ने तर्क दिया कि क्या कोई केंद्रीय एजेंसी अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर कर सकती है, और इस मामले को 5 जजों की संवैधानिक बेंच के पास भेजा जाना चाहिए।

पंचकोसी वारुणी यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

उत्तरकाशी,(आरएनएस)। पंचकोसी वारुणी यात्रा में मंगलवार को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। वरुणा नदी में स्नान के साथ शुरू होने वाली यात्रा वरुणावत पर्वत के ऊपर से गुजरते हुए गंगा और भागीरथी के संगम पर पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुई। वरुणावत पर्वत की पैदल 15 किमी परिक्रमा वाली यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं शामिल हुए। पंचकोसी वारुणी नाम से हर वर्ष होने वाली इस यात्रा का बड़ा धार्मिक महत्व माना जाता है। कहा जाता है कियात्रा को पूर्ण करने वाले व्यक्ति को 33 कोटी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना का पुण्य लाभ मिलता है। मंगलवार सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं के जत्थे वारुणी यात्रा पर निकलने शुरू हो गए थे। करीब 15 किमी लंबी पैदल यात्रा की शुरुआत श्रद्धालुओं ने बड़ेथी संगम के निकट स्थित वरुणेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद बसुंगा गांव में अखंडेश्वर, साल्ड में जगरनाथ व अष्टभुजा दुर्गा माता, ज्ञाणजा में ज्ञानेश्वर एवं व्यास कुंड, वरुणावत शीर्ष पर शिखरेश्वर व विमलेश्वर महादेव, संग्राली में कंडार देवता, पाटा में नर्वदेश्वर मंदिर में जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना की।

केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने नई दिल्ली में भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 में भाग लिया।

अयोध्या से आई पवित्र ज्योति का भव्य स्वागत, पृथ्वीनाथ मंदिर में हुई स्थापना

देहरादून,(आरएनएस)। आगामी श्री बालाजी जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में अयोध्या स्थित राम लला मंदिर से लाई गई पवित्र अखंड ज्योति मंगलवार को देहरादून पहुंची। जहां श्रद्धालुओं ने इसका भव्य स्वागत किया। यह ज्योति श्री पृथ्वीनाथ मंदिर में विधिवत स्थापित की गई। कार्यक्रम परम पूज्य रवींद्र पुरी जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। यह पवित्र ज्योति लगभग 25 घंटे की यात्रा के बाद देहरादून पहुंची। निर्धारित समय से करीब तीन घंटे देरी से पहुंचने के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।सबसे पहले ज्योति को गांधी रोड स्थित अग्रवाल धर्मशाला में दर्शन के लिए रखा गया, जहां बड़ी संख्या में भक्तों ने पूजा-अर्चना की। इसके बाद सजी-धजी वाहन में ज्योति को विराजमान कर ढोल-नगाड़ों, ध्वज और भजन-कीर्तन के साथ शोभायात्रा निकाली गई। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर जय श्री राम के जयघोष लगाए।शोभायात्रा गांधी रोड, आढ़त बाजार और सहारनपुर चौक से होते हुए श्री पृथ्वीनाथ मंदिर पहुंची, जहां आचार्य भारत भूषण भट्ट ने विधि-विधान से पूजन एवं सामूहिक आरती कराई। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।इस दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा शीतल पेय, आइसक्रीम आदि का वितरण किया गया और भव्य आतिशबाजी ने माहौल को और उत्साहपूर्ण बना दिया। यह पवित्र ज्योति आगामी आयोजन तक मंदिर में विराजमान रहेगी।सेवादल के अनुसार 22 मार्च को राजस्थान के मेहंदीपुर के लिए प्रस्थान किया जाएगा। वहां से मेहंदीपुर से बालाजी की पवित्र ज्योति 24 मार्च को देहरादून पहुंचेगी। इसका प्रथम दर्शन पटेल नगर स्थित आदर्श मंदिर में कराया जाएगा, जिसके बाद शोभायात्रा के साथ इसे पृथ्वीनाथ मंदिर लाया जाएगा।कार्यक्रम में दिगंबर दिनेश पुरी, पुष्पेंद्र गिरी, आचार्य भारत भूषण भट्ट सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

'मोहब्बत हमारे साथ और शादी मोदी जी से'..., खरगे ने देश के पूर्व PM पर कसा तंज; पीएम मोदी भी नहीं रोक पाए हंसी

नई दिल्ली(उत्तम हिन्दू न्यूज)= राज्यसभा में कार्यकाल पूरा कर रहे सांसदों की विदाई के अवसर पर भावुक और गंभीर माहौल के बीच कुछ हल्के-फुल्के पल भी देखने को मिले। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने अपने विचार रखे।विदाई समारोह के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा को शुभकामनाएं देते हुए ऐसा मजाकिया टिप्पणी कर दी कि पूरा सदन ठहाकों से गूंज उठा। यहां तक कि प्रधानमंत्री मोदी भी अपनी हंसी नहीं रोक सके।

卐मोहब्बत हमारे साथ, शादी मोदी जी से卐

खरगे ने अपने संबोधन में कहा, 卐मैं देवेगौड़ा जी को पिछले 54 साल से जानता हूं, उनके साथ लंबे समय तक काम किया है। उन्होंने मोहब्बत हमारे साथ की, लेकिन शादी मोदी साहब के साथ कर ली।卐 जैसे ही उन्होंने यह बात कही, सदन में जोरदार ठहाके लगने लगे।

अठावले पर भी हल्का तंज

खरगे यहीं नहीं रुके। उन्होंने केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले पर भी चुटकी लेते हुए कहा कि वह अपनी कविताओं के जरिए हमेशा प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हैं और लगता है कि उन्हें इसके अलावा कोई और कविता नहीं आती। इस टिप्पणी के बाद भी सदन में हंसी का माहौल बन गया।

पीएम मोदी ने भी दी शुभकामनाएं

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने संबोधन में कार्यकाल पूरा कर रहे सांसदों के योगदान की सराहना की और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में सेवा का भाव कभी समाप्त नहीं होता और राजनीति में कोई पूर्ण विराम नहीं होता।

卐राजनीति में रिटायरमेंट नहीं卐

खरगे ने भी अपने भाषण में कहा कि जो लोग सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हैं, वे देश सेवा के जज्बे के कारण न थकते हैं और न ही वास्तव में रिटायर होते हैं। विदाई समारोह के इस अवसर पर जहां एक

80 हजार की रिश्वत लेते जेई रंगे हाथ गिरफ्तार

देहरादून(आरएनएस)। उत्तराखंड विजिलेंस ने मंगलवार को ऊर्जा निगम के एक अवर अभियंता (जेई) को 80,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पथरीबाग स्थित विद्युत सब स्टेशन पर तैनात था। आरोपी जेई एक नए खरीदे गए अपार्टमेंट में बिजली का कनेक्शन देने और विद्युत लोड बढ़ाने की एवज में इस मोटी रकम की मांग कर रहा था। देहराखास में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के नाम पर 11 फ्लैट का अपार्टमेंट खरीदा है। इस नए अपार्टमेंट में पत्नी के नाम से बिजली का नया कनेक्शन लेने और जरूरत के हिसाब से विद्युत भार बढ़ाने के लिए उसने आवेदन किया था। आरोप है कि नया ट्रांसफार्मर न लगाने और ऐसे ही लोड बढ़ाने के लिए पथरी बाग स्थित 33/11 केवी बिजली घर जेई ने रिश्वत मांगी। जेई अतुल कुमार निवासी इंद्रेशनगर, देहरादून ने इसके एवज में 80 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। बिना पैसे दिए काम अटकाए रखा। शिकायत पर विजिलेंस टीम देहरादून ने पहले मामले की गोपनीय जांच की।

दिल्ली में भिखारियों पर कसी जाएगी नकेल

नई दिल्ली (ए)। राजधानी दिल्ली में भीख मांगने की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस सक्रिय हो गई है। लोकसभा में जानकारी दी गई कि भीख मांगने वालों को हटाने के साथ-साथ उनके पुनर्वास पर भी जोर दिया जा रहा है। राजधानी दिल्ली के हर चौराहों, मार्केट या सड़क किनारे भिखारियों का नजर आना आम सी बात हो गई है। बड़ी तदाद में भीख मांगने वाले शहर के एक बड़ी समस्या बन गए हैं। लेकिन केंद्र सरकार इनको लेकर एक बड़ा प्लान लाने वाली है। केंद्र सरकार ने लोकसभा में जानकारी दी है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सड़कों और रेड लाइट पर भीख मांगने की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली पुलिस लगातार सक्रिय कदम उठा रही है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सांसद वी. एस. मथेस्वरन द्वारा भिखारियों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि खासकर ट्रैफिक सिग्नल और प्रमुख चौराहों पर भिक्षावृत्ति रोकने के लिए कई स्तरों पर कार्रवाई की जा रही है। सरकार के मुताबिक, दिल्ली पुलिस समय-समय पर विशेष अभियान (स्पेशल ड्राइव) चलाकर ट्रैफिक सिग्नलों और जंक्शनों से भिखारियों को हटाती है। इसके अलावा, भीख मांगने की गतिविधियों को रोकने के लिए संवेदनशील रेड लाइट्स पर पीक ऑवर्स के दौरान पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाती है। वी। एस। मथेस्वरन ने ये भी कहा कि योजना सिर्फ हटाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पुनर्वास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। दिल्ली पुलिस, दिल्ली सरकार के सामाजिक कल्याण विभाग के साथ समन्वय कर भिखारियों और बेघर लोगों को शेल्टर होम्स में शिफ्ट कराती है। कुछ इसी तरह की एक मुहिम चला इन भिखारियों से दिल्ली को निजात दिलाई जा सकती है।

रेलवे का मेगा प्लान: मुंबई लोकल मजबूत, गुजरात में बुलेट ट्रेन दौड़ने को तैयार

अहमदाबाद (ए.)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया कि मुंबई उपनगरीय नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए 238 नई उपनगरीय ट्रेनों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें ऑटोमैटिक डोर क्लोजिंग सिस्टम की सुविधा होगी। उन्होंने यह भी बताया कि मुंबई उपनगरीय सेवाओं में यात्रियों को राहत देने के लिए सरकार द्वारा लगभग रु. 3,000 करोड़ की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

रेल मंत्री ने गुजरात से संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना पर तेजी से कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना के अंतर्गत 300 किमी से अधिक वायाडक्ट निर्माण पूरा हो चुका है तथा पियर निर्माण, ट्रैक बिछाने और स्टेशनों के विकास का कार्य जारी है। साथ ही, भारत की पहली अंडरसी रेल सुरंग पर भी कार्य प्रगति पर है। उन्होंने आगे बताया कि परियोजना में 43द्व5 किमी फाउंडेशन कार्य, 338 किमी गिर्डर इंस्टॉलेशन, 168 किमी ट्रैक बिछाने के साथ ओएचई इंस्टॉलेशन का कार्य भी तेजी से प्रगति पर है।इसके साथ ही वापी, बिलिमोरा, सूरत तथा बीकेसी स्टेशन सहित कई स्टेशनों का कार्य तेजी से पूर्णता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत कई नदियों पर पुलों का निर्माण पूरा किया जा चुका है तथा भरूच, वडोदरा, आनंद, नडियाद, अहमदाबाद और साबरमती क्षेत्रों में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।रेल मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि सीमा क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए नए रेलवे लाइनों के सर्वे किए जा रहे हैं, जिनमें कच्छ क्षेत्र में देशलपार से हाजीपीर तथा वायोर से लखपत तक कनेक्टिविटी विकसित करने की योजना शामिल है।

जगद्धात्री में आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था, सोनाक्षी बत्रा ने बताया शूटिंग का अनुभव

टीवी की दुनिया में इन दिनों दर्शकों को बांधे रखने के लिए मेकर्स लगातार नई-नई कहानी और रोमांचक सीन लेकर आ रहे हैं। ऐसा ही कुछ टीवी शो जगद्धात्री में देखने को मिला, जहां होली के खास मौके पर एक बेहद खतरनाक और भावनात्मक सीन फिल्माया गया। इस सीन ने न सिर्फ कहानी को नया मोड़ दिया, बल्कि कलाकारों के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती साबित हुआ। इस शो में मुख्य भूमिका निभा रहीं सोनाक्षी बत्रा ने इस खतरनाक सीन की शूटिंग का अनुभव साझा किया। कहानी के मुताबिक, होली के जश्न के दौरान तपस्या, जिसका किरदार येशा हरसोरा निभा रही हैं, अपनी साजिश को अंजाम देती है। उसकी इस चाल का असर माया की बेटी गुंजन पर पड़ता है, इस रोल में परी भानुशाली हैं। अचानक माहौल में अफरा-तफरी मच जाती है और गुंजन आग की लपटों में फंस जाती है। गुंजन को बचाने के लिए जगद्धात्री और शिवाय, जिसका किरदार फरमान हैदर निभा रहे हैं, आगे आते हैं। सीन का सबसे रोमांचक पल तब आता है जब जगद्धात्री हिम्मत दिखाते हुए आग में कूद जाती है और गुंजन को बाहर निकाल लेती है। यह पूरा सीन दर्शकों को स्क्रीन से बांधे रखता है।

इस सीन की शूटिंग को लेकर सोनाक्षी बत्रा ने बताया कि उनके लिए यह अनुभव काफी चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार रहा। उन्होंने कहा,जगद्धात्री का किरदार निभाना मेरे लिए एक खास सफर रहा है और समय के साथ मुझे एक्शन सीन करना पसंद आने लगा है। आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि इसमें ज्यादा सावधानी और सटीकता की जरूरत होती है। हर कदम सोच-समझकर उठाना पड़ता है, ताकि किसी भी तरह का खतरा न हो।

सोनाक्षी ने खासतौर पर अपनी को-स्टार परी भानुशाली की तारीफ की। उन्होंने कहा, इतनी छोटी उम्र में भी परी बहुत समझदार हैं और सेट पर दिए गए हर निर्देश को ध्यान से सुनती हैं। यही वजह है कि उनके साथ शूटिंग करना आसान हो जाता है। आग जैसे खतरनाक सीन के दौरान भी परी ने पूरी सतर्कता के साथ काम किया, जिससे पूरी टीम को काफी मदद मिली।उन्होंने आगे कहा, इस सीन के दौरान मैं खुद भी काफी सतर्क थी, क्योंकि मेरे साथ एक बच्ची थी और उसकी सुरक्षा मेरे लिए पहली जिम्मेदारी थी। शूटिंग के समय मेरे मन में यही था कि परी पूरी तरह सुरक्षित रहे। प्रोडक्शन टीम ने भी सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए थे और हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा गया था, जिससे यह सीन बिना किसी परेशानी के पूरा हो सका।आने वाले एपिसोड में कहानी और भी ज्यादा रोमांचक होने वाली है। होली के जश्न के बीच एक और बड़ा मोड़ आएगा, जब रुद्र की जलन खतरनाक रूप लेगी और वह अपने सौतेले भाई शिवाय को गोली मार देगा। इसके बाद जगद्धात्री और देशमुख परिवार शिवाय को अस्पताल लेकर जाएंगे और उसकी जान बचाने की कोशिश करेंगे। यह नया ट्विस्ट दर्शकों के लिए और भी ज्यादा सस्पेंस और उत्साह लेकर आने वाला है।

गलत सलाह के कारण गंवाया इम्तियाज अली का प्रोजेक्ट, डोनल बिष्ट ने सुनाई आपबीती

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम करना जितना ग्लैमरस दिखता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होता है। कई बार कलाकारों को लोगों की सलाह पर भरोसा करना महंगा पड़ जाता है। ऐसा ही एक अनुभव अभिनेत्री डोनल बिष्ट ने साझा किया, जिन्होंने बताया कि कैसे गलत मार्गदर्शन की वजह से वह मशहूर निर्देशक इम्तियाज अली के एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बन सकीं। डोनल बिष्ट ने बताया कि उन्हें इम्तियाज अली के एक प्रोजेक्ट के लिए फाइनल शॉर्टलिस्ट किया गया था।

वह इस प्रोजेक्ट के आखिरी राउंड तक पहुंच चुकी थीं और निर्देशक और उनकी टीम के साथ उनकी मीटिंग भी हो चुकी थी। यह उनके करियर का एक बड़ा मौका था, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित थीं और उन्हें पूरा भरोसा था कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस मीटिंग के बारे में पता चला, उन्होंने यह खुशखबरी अपने करीबियों के साथ साझा की। इस मौके को लेकर वह बेहद खुश थीं और उन्होंने इसे अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मान लिया था। लेकिन यहीं से उनके लिए मुश्किलें शुरू हो गईं, क्योंकि उनके आसपास के लोगों ने उन्हें अलग-अलग तरह की सलाह देना शुरू कर दिया।

डोनल ने कहा, लोगों ने बताया कि मीटिंग में कैसे बात करनी चाहिए, किन बातों को कहना है और किन चीजों से बचना है। मुझे यह भी भरोसा दिलाया गया कि अगर मैं इन सलाहों का मानती हूं, तो यह प्रोजेक्ट निश्चित रूप से मिल जाएगा। शुरुआत में मुझे लगा कि यह सब मेरे भले के लिए कहा जा रहा है, लेकिन बाद में यही सलाह मेरे लिए नुकसानदायक साबित हुई।उन्होंने बताया, जब मैं मीटिंग में पहुंचीं, तो इन सभी बातों का असर मेरे व्यवहार में साफ नजर आया। मैं आत्मविश्वास के साथ अपनी बात नहीं रख पाई और कई जगह हिचकिचाती हुई दिखी। मेरे जवाबों में स्पष्टता की कमी थी, जिससे निर्देशक इम्तियाज अली और उनकी टीम को लगा कि मैं खुद ही अपने विचारों को लेकर असमंजस में हूं।डोनल ने कहा, स्थिति इतनी उलझ गई कि टीम को मेरी हालत को लेकर चिंता होने लगी। बाद में मुझे कास्टिंग टीम और इंडस्ट्री के कुछ लोगों का फोन आया, जिन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं ठीक हूं, क्या मैं किसी मानसिक तनाव में हूं या कोई मुझे गलत दिशा में गाइड कर रहा है। यह मेरे लिए काफी चौंकाने वाला था, क्योंकि मैंने खुद ऐसा कुछ महसूस नहीं किया था।इस पूरे अनुभव पर बात करते हुए डोनल ने कहा कि उस समय मैं लोगों की नीयत को समझ नहीं पाई। मुझे लगा कि सभी मेरी मदद करना चाहते हैं, लेकिन समय के साथ मुझे एहसास हुआ कि कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो आपको आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहते।उन्होंने कहा, ऐसे लोग आपके आसपास रहते हैं, आपका फायदा उठाते हैं और जब उनका काम पूरा हो जाता है, तो आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं। यह अनुभव मेरे लिए एक जरूरी सबक साबित हुआ। इस घटना ने मुझे सिखाया कि करियर और जिंदगी से जुड़े फैसले खुद ही लेने चाहिए। खासकर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में, जहां हर निर्णय बहुत महत्वपूर्ण होता है, वहां अपने दिल और दिमाग पर भरोसा करना जरूरी है।

धुरंधर 2 डे 1 कलेक्शन प्रेडिक्शनः बॉलीवुड की बिगेस्ट ओपनर बनने को तैयार रणवीर सिंह की फिल्म, कलेक्शन 200 करोड़ पार?

आदित्य धर की निर्देशित आगामी थ्रिलर एक्शन एंटरटेनर धुरंधर 2, जिसका ऑफिशियल टाइटल धुरंधर: द रिवेंज अपनी थिएट्रिकल रिलीज से पहले ही जबरदस्त चर्चा बटोर रही है, जिसकी वजह से यह शुरुआती बॉक्स ऑफिस पर दमदार ओपनिंग की ओर इशारा कर रहा है. रिलीज में अब बस कुछ ही दिन बाकी हैं, और फिल्म की एडवांस बुकिंग के आंकड़े सब कुछ बयां कर रहे हैं. यह दर्शकों की भारी दिलचस्पी और रिलीज से पहले बने जबरदस्त माहौल को दर्शाता है.आदित्य धर की फिल्म में रणवीर सिंह एक बार फिर से लीड करते दिखेंगे. वह एक बार फिर दमदार और निडर हमजा अली के रूप में वापसी कर रहे हैं. धुरंधर 2 में जसकीरत सिंह की पिछली कहानी दिखाई जाएगी. आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह सीक्वल वहीं से आगे बढ़ेगी, जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी, और इस बार कहानी में रोमांच पहले से ज्यादा है.फैंस के बीच बढ़ते उत्साह और बॉक्स ऑफिस पर मिल रहे शुरुआती अच्छे संकेतों को देखते हुए, ऐसा लग रहा है कि धुरंधर 2 पहले ही दिन से दर्शकों को बड़ी संख्या में सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रहेगी.

पैन-इंडिया रिव्यू ने धुरंधर 2 के ओपनिंड डे का प्रेडिक्शन शेयर किया है. पैन-इंडिया रिव्यू के शुरुआती अनुमानों के अनुसार, रणवीर सिंह अभिनीत यह फिल्म भारत में अपने ओपनिंग डे पर लगभग 85-95 करोड़ रुपये का कलेक्शन करने की उम्मीद है.

सलमान खान की मातृभूमि का गाना तुम चांद देख लेना का टीजर हुआ रिलीज, साथ नजर आईं चित्रांगदा

सलमान खान की आगामी फिल्म का नाम हाल ही में मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस बताया गया है। पहले इस फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवां रखा गया था। आज फिल्म का एक रोमांटिक गाना तुम चांद देख लेना का टीजर जारी किया गया है। जिसमें सलमान और चित्रांगदा नजर आ रहे हैं।सलमान खान की आगामी फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का नया गाना चांद देख लेना तुम्हें हम नजर आएंगे... की झलक आज जारी कर दी गई है। इस गाने में सलमान और चित्रांगदा का रोमांटिक अंदाज नजर आ रहा है। इस गाने में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह के बीच एक ऐसे रोमांटिक पहलू को दिखाया गया है, जो इस फिल्म में इन दोनों की रोमांटिक प्रेम कहानी को बयां करता है। इस गाने में चित्रांगदा गुलाबी ड्रेस में सजी-धजी, सलमान का इंतजार करती हुई दिखाई दे रही हैं, जबकि सलमान खान पास ही में उनके सामने इस गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं, जिसके बैकग्राउंड में चमकता हुआ चांद दिखाई दे रहा है।सलमान खान की फिल्म मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस कथित तौर पर 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के आसपास रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को आने वाली थी, लेकिन अब इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई है। 'मातृभूमि' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इस फिल्म का निर्माण सलमान खान कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 2020 के दौरान गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है।

फिल्म एक दिन का ट्रेलर हुआ रिलीज, नजर आई साई पल्लवी और जुनैद खान की रोमांटिक लव स्टोरी

जुनैद खान और साई पल्लवी की फिल्म 'एक दिन' का रोमांटिक ट्रेलर कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। आमिर खान प्रोडक्शन की इस फिल्म का टाइटल ट्रैक हाल ही में रिलीज किया गया था। आज एक दिन का ट्रेलर रिलीज कर निर्माताओं ने फैंस को खुश कर दिया है।आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म एक दिन का ट्रेलर आज रिलीज हो चुका है। एक दिन के ट्रेलर को आमिर खान प्रोडक्शन ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसके साथ निर्माताओं ने पोस्ट में लिखा, कभी-कभी एक दिन भी काफी होता है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।फिल्म एक दिन के ट्रेलर की शुरुआत एक फॉर्च्यून बेल यानी किस्मत की घंटी क` सीन से होती है, जिसे बजाकर सभी प्रेमी जोड़े अपनी किस्मत आजमाते हैं, ताकि उन्हें अपना सच्चा प्यार मिल जाए। इस ट्रेलर के सीन में जुनैद भी एक विश मांगते हैं और कहते हैं काश मीरा (साई पल्लवी) उनकी हो जाए, फिर चाहे वो सिर्फ एक दिन के लिए ही क्यों न हो।

सूर्या की फिल्म विश्वनाथ एंड संस का टीज़र रिलीज

साउथ सुपरस्टार सूर्या के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। लंबे समय के इंतजार के बाद सूर्या की आगामी तेलुगु फिल्म विश्वनाथ एंड संस का टीजर रिलीज कर दिया गया है। वेंकी एटलुरी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्साह है, क्योंकि सूर्या कई सालों के बाद किसी तेलुगु फिल्म में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ प्रेमलु फेम ममिता बैजू मुख्य भूमिका में हैं।फिल्म का 1 मिनट 44 सेकंड का टीजर दर्शकों को एक अनोखी दुनिया में ले जाता है। इसमें सूर्या संजय विश्वनाथ की भूमिका निभा रहे हैं, जो 40 की उम्र के एक मंझे हुए पिस्टल शूटर हैं। टीजर में दिखाया गया है कि वह अपने एक पुराने अधूरे सपने को पूरा करने के लिए आज भी जी-जान से जुटे हुए हैं। दूसरी ओर ममिता बैजू मैडी के किरदार में नजर आ रही हैं, जो एक चकाचौंध भरी और आलीशान जीवनशैली की शौकीन है। टीजर इन दोनों किरदारों के बिल्कुल अलग संसार के मिलन की ओर इशारा करता है। उम्र के फासले के बावजूद उनके बीच पनपने वाला अनपेक्षित रोमांस फिल्म की मुख्य जान लग रहा है। टीजर के विजुअल्स और बैकग्राउंड स्कोर ने फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है।निर्माताओं ने टीजर के साथ ही फिल्म की रिलीज और डिजिटल स्ट्रीमिंग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की है। विश्वनाथ एंड संस जुलाई 2027 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि अभी सटीक तारीख की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन यह साफ हो गया है कि थियेट्रिकल रन पूरा होने के बाद यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

डेस्क जॉब कर रहे हैं? इन 5 आम स्वास्थ्य खतरों के बारे में जरूर जानें

डेस्क जॉब करने वाले लोगों को अक्सर यह लगता है कि उनका काम आरामदायक है, लेकिन इसके कई स्वास्थ्य खतरे भी हो सकते हैं। लंबे समय तक कुर्सी पर बैठकर काम करने से कई समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि पीठ दर्द, गर्दन दर्द और आंखों की समस्याएं। इस लेख में हम उन 5 स्वास्थ्य खतरों के बारे में जानेंगे, जो डेस्क जॉब करने पर हो सकते हैं और उनसे बचने के उपाय भी जानेंगे।

पीठ दर्द होना

डेस्क पर लंबे समय तक बैठकर काम करने से पीठ दर्द होना एक आम समस्या है। गलत तरीके से बैठने से रीढ़ की हड्डी पर दबाव पड़ता है, जिससे दर्द और असुविधा हो सकती है। इससे बचने के लिए अपनी कुर्सी की ऊंचाई और झुकाव को सही तरीके से सेट करें। इसके अलावा नियमित रूप से खिंचाव की कसरत करें और बीच-बीच में थोड़ी देर के लिए खड़े होकर चलें।

गर्दन दर्द होना

लंबे समय तक कंप्यूटर स्क्रीन देखने से गर्दन में दर्द और अकड़न हो सकती है। यह समस्या खासकर तब होती है जब स्क्रीन बहुत नीचे या ऊपर हो। इससे बचने के लिए स्क्रीन को आंखों के स्तर तक सेट क,रें ताकि आपको गर्दन को ऊपर या नीचे झुकाना न पड़े। इसके अलावा अपने काम के बीच में कुछ मिनट के लिए ब्रेक लें और गर्दन को हल्के हाथों से खींचें।

आंखों की समस्याएं होना

कंप्यूटर स्क्रीन पर लगातार देखने से आंखों में सूजन, जलन और धुंधला दृष्टि जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे बचने के लिए 20-20-20 नियम अपनाएं, यानी हर 20 मिनट बाद 20 फीट दूर किसी चीज को 20 सेकंड तक देखें। इसके अलावा स्क्रीन की रोशनी कम रखें और आंखों को आराम देने के लिए पलकों को कुछ सेकंड तक बंद रखें। अगर समस्या बनी रहती है तो आंखों के डॉक्टर से संपर्क करें।

हाथों में दर्द या उनका सुन्न होना

कंप्यूटर पर टाइपिंग करते समय हाथों की नसें दब सकती हैं, जिससे हाथों में दर्द या सुन्नपन हो सकता है। इससे बचने के लिए अपनी कीबोर्ड पोजीशन को सही रखें और बीच-बीच में हाथों को खींचें। इसके अलावा कीबोर्ड पर टाइप करते समय सही फिंगर पोजीशन अपनाएं और जरूरत पड़ने पर कीबोर्ड पैड का भी इस्तेमाल करें। अगर समस्या बनी रहती है तो डॉक्टर से संपर्क करें।

वजन बढ़ना

डेस्क जॉब करने वाले लोग अक्सर कम सक्रीय रहते हैं, जिससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। इसके लिए नियमित रूप से व्यायाम करना जरूरी है। रोजाना कम से कम 30 मिनट तक तेज चलना, दौड़ना या योग करना फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा संतुलित आहार लें और जंक फूड से बचें। पानी अधिक पिएं और सोने से पहले मोबाइल फोन का उपयोग न करें। आप डेस्क पर बैठे-बैठे भी कुछ व्यायाम कर सकते हैं।

सनस्क्रीन लगाते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, मिलेगा भरपूर फायदा

सनस्क्रीन का इस्तेमाल त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने में मदद कर सकता है। हालांकि, सनस्क्रीन का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है ताकि यह अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर सके। सही तरीके से सनस्क्रीन लगाने से त्वचा को न केवल धूप से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है, बल्कि यह त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में भी सहायक है। आइए जानते हैं कि सनस्क्रीन लगाते समय क्या ध्यान रखना चाहिए।

सही मात्रा में लगाएं सनस्क्रीन

सनस्क्रीन की सही मात्रा का उपयोग करना बहुत जरूरी है। चेहरे और गर्दन के लिए लगभग एक अंडे के आकार की मात्रा का उपयोग करें। इसके अलावा हाथों, पैरों और अन्य खुली त्वचा के हिस्सों पर भी उचित मात्रा में सनस्क्रीन लगाएं। सही मात्रा में सनस्क्रीन लगाने से आपकी त्वचा को धूप की हानिकारक किरणों से बचाने में मदद मिलती है और आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार रहती है।

समय-समय पर लगाएं सनस्क्रीन

सनस्क्रीन को समय-समय पर लगाना भी बहुत जरूरी है। अगर आप लंबे समय तक धूप में रहते हैं तो हर 2-3 घंटे बाद अपनी त्वचा पर सनस्क्रीन लगाएं, खासकर अगर आप पसीना बहा रहे हैं या तैराकी कर रहे हैं तो अधिक बार सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। यह आपकी त्वचा को लगातार सुरक्षा प्रदान करेगा और आपको सूरज की हानिकारक किरणों से बचाए रखेगा। सही समय पर सनस्क्रीन लगाने से आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहती है।

सही तरीके से लगाएं सनस्क्रीन

सनस्क्रीन लगाने का सही तरीका भी बहुत अहम है। इसे लगाते समय हल्के हाथों से मालिश करें ताकि यह अच्छी तरह से त्वचा में समा जाए। उंगलियों से धीरे-धीरे दबाते हुए लगाएं ताकि सनस्क्रीन पूरी तरह से त्वचा में समा जाए। इसके अलावा ध्यान रखें कि खासकर नाक, कान, गर्दन और हाथों पर अच्छी तरह से सनस्क्रीन लगे क्योंकि ये हिस्से अक्सर धूप के सीधे संपर्क में आते हैं।

मौसम और गतिविधियों के अनुसार चुनें सही सनस्क्रीन

मौसम और आपकी गतिविधियों के अनुसार सही सनस्क्रीन का चयन करना जरूरी है। अगर आप बाहर ज्यादा समय बिताते हैं तो उच्च सुरक्षा वाली सनस्क्रीन चुनें। इसके अलावा अगर आप पसीना बहाने वाली गतिविधियां करते हैं या तैराकी करते हैं तो पानी में टिकाऊ सनस्क्रीन का उपयोग करें। सही सनस्क्रीन चुनने से आपकी त्वचा को अधिकतम सुरक्षा मिलती है और आप सूरज की हानिकारक किरणों से सुरक्षित रहते हैं।

मेकअप के ऊपर भी लगाएं सनस्क्रीन

अगर आपने मेकअप कर रखा हो तो उसके ऊपर भी सुरक्षा देने वाला प्रोडक्ट लगाना सुनिश्चित करें। इसके लिए स्प्रे फॉर्मूला या टच-अप पाउडर का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिनमें सुरक्षा तत्व होते हैं। यह न केवल आपके मेकअप को सेट करेगा बल्कि अतिरिक्त सुरक्षा भी प्रदान करेगा। इन सरल लेकिन प्रभावी सुझावों को अपनाकर आप अपनी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं और स्वस्थ रख सकते हैं।

विक्रमोत्सव में सम्राट विक्रमादित्य नाटक की प्रस्तुति आज देंगे नर्मदापुरम के कलाकार

नर्मदापुरम (निप्र)। महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ संस्कृति विभागए मध्यप्रदेश शासन द्वारा मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के समन्वय से एवं जिला प्रशासन के सहयोग से 19 मार्च को विक्रमोत्सव 2026 का आयोजन नर्मदा महाविद्यालय में सुबह 10 बजे से किया जा रहा है। आज भारत वर्ष के नव जागरण एवं विकास की यात्रा के आयोजन को सृष्टि के आरम्भ दिवस वर्ष प्रतिपदा विक्रम संवत 2083 के आरंभ पर नववर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस आयोजन में सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित नाट्य का मंचन किया जाएगा।

साथी जनशिक्षण एवं संस्कृति समिति के कलाकारों द्वारा ये मंचन किया जाएगा

जिसके नाट्यदल का निर्देशन रत्नेश साहू एवं सह निर्देशन संजय श्रोतीय नर्मदापुरम के द्वारा किया गया है। संगीत अभिषेक त्रिपाठी का है। नाटक का लेखन व सह निर्देशन प्रसन्न सोनी जी का है एवं निर्देशन संजय श्रीवास्तव जी ने किया है। इस नाटक के कलाकार नितिन रोहर प्रेम शंकर मांगरोल चैन सिंह मीना मुकेश मालवीय मंगलेश सिंगारिया दीपक बेन अस्मादित्य तिवारी, नर्मदा प्रसाद हरयाले, देवी सिंह पटवा, अभिषेक अहिरवार, भावना विश्वकर्मा, उर्वशी श्रोतिय, शिवन्या श्रोतिय पल्लवी दुबे, प्रियांशी गौर एवं विमल सिंह राजपूत हैं।

नव संवत्सर 2083 पर परिचर्चा संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। हिंदू सनातन संस्कृति का नववर्ष 19 मार्च से नव संवत्सर 2083 प्रारंभ होने जा रहा है इसके पूर्व दोपहरी पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित दत्त मंदिर परिसर में एक परिचर्चा उमाशंकर श्रोतीकी अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें स्थानीय बुद्धिजीवियों द्वारा संवत्सर 2083 की शुभकामनाएं एवं संवत्सर पर विशेष चर्चा आयोजित की गई । इस कार्यक्रम में संस्था प्रमुख उमाशंकर श्रोति, शास्त्री नित्य गोपाल कटारे, पुरुषोत्तम धाकड़ अरुण तिवारी परमानंद मालवीय पंडित गिरी मोहन गुरु नगर पुरुषोत्तम धाकड़ मंगल सिंह के एस ठाकुर नरेंद्र शर्मा एवं एल एस राजोरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन स्नेह भोज एवं दत्त चालीसा के साथ संपन्न हुआ।

मंदिरों में हो रही साफ सफाई

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदा तट के सभी प्रमुख मंदिरों में देवी आराधना के विशेष पर्व नवरात्र मनाने के लिए मंदिरों में विशेष साफ सफाई के साथ ही नवरात्र महोत्सव मनाने की तैयारी शुरू हो गई है। जिसमें खर्राघाट पर माता हिंगलाज देवी दरबार, मौरछली चौक के पास माता खेड़ापति,जुमेराती, सतरस्ता और ग्वालटोली के माता महाकाली मंदिर, के साथ ही माधव आश्रम के देवी मंदिर, रेलवे स्टेशन के पास के दुर्गा मंदिर सहित अन्य अनेक देवी मंदिरों में भजन कीर्तन, देवी पाठ सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन होंगे।

चोरिया कुर्मी समाज ने किया आचार्य सोमेश परसाई का अभिनंदन

नर्मदापुरम (निप्र)। मां नर्मदा की परिक्रमा उपरांत ग्रह वापसी पर वरिष्ठ समाजसेवी चोरिया कुर्मी समाज के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य चंद्रगोपाल मलैया के नेतृत्व में सामाजिक संगठन के पदाधिकारीयो ने धर्माचार्य पंडित सोमेश परसाई का निज निवास पर पहुंचकर शाल श्रीफल पुष्पहार से आत्मीय भव्य स्वागत अभिनंदन किया। आचार्य सोमेश परसाई ने मां नर्मदा परिक्रमा के दौरान हुए अनुभव के संस्मरण सुनाए स्वागत करने वाले पदाधिकारी में प्रमुख है चंद्र गोपाल मलैया, राम मोहन मलैया, श्रवण चौधरी, एसएस पटेल, हेमंत चौधरी, जेपी चौधरी ,राजेश चौरे, राधा मोहन पटेल, मनोज बमनोटिया, सुशील चौधरी, पंकज मालिय, गोकुल पटेल, गोविंद चौरे, विनोद पटेल, प्रिंस चौरे राजदीप पटेल,कमल चौधरी आदि उपस्थित रहे।

नेत्र शिविर में 120 मरीजों की जांच, 39 मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु भोपाल रवाना

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी एवं चिरायु अस्पताल, भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में जिला चिकित्सालय परिसर स्थित रेडक्रॉस भवन में निशुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 120 से अधिक नेत्र रोगियों की जांच की गई, जिसमें से मोतियाबिंद से पीड़ित 39 मरीजों को ऑपरेशन हेतु चिरायु अस्पताल भोपाल भेजा गया। यह शिविर कलेक्टर एवं जिला रेडक्रॉस सोसाइटी अध्यक्ष सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला रेडक्रॉस प्रबंध समिति के चेयरमेन अरुण शर्मा एवं सचिव डॉ. हर्षल काबरे के निर्देशन में किया गया।

+++ नव संवतसर आज से +++

इस वर्ष के राजा रहेंगे गुरु और मंत्री होंगे मंगल, नव संवतसर का नाम रहेगा रौद्र, बदलाव की बनेगी स्थिति

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। नवसंवतसर 2083 का आज से शुभारंभ हो रहा है। पंचांगीय गणना के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हिन्दू नव वर्ष की आज से शुरूआत हो रही है। ज्योतिषाचार्यों व पंचाग के विद्वानों के अनुसार विक्रम संवत 2083 संवत्सर का नाम रोद्र रहेगा 2083 हिंदू नववर्ष की शुरुआत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से और समापन चैत्र माह की अमावस्या तिथि को होती है। जिस दिन से संवत्सर की शुरुआत होती है, वह दिन या दिनाधिपति उस वर्ष का राजा होता है। इस वर्ष के राजा होंगे गुरु बृहस्पति साथ ही मंत्री के रूप में मंगल रहेंगे। गुरु बृहस्पति जहां सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के साथ अध्यात्म की ओर लोगों को अग्रसर करेंगे। वहीं दूसरी ओर ग्रहों के सेनापति मंगल अग्नि के कारक है। ऐसे में ये क्रोध, आवेश, ऊर्जा आदि में देखने को मिलेगा। इस ग्रह स्थिति के कारण देश.दुनिया के साथ 12 राशियों के जातकों के जीवन में अलग-अलग तरह के बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

कथा व्यास मंच के अध्यक्ष आचार्य पं नीरजेश त्रिपाठी के अनुसार इस वर्ष ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार संवतसर को रौद्र संवत्सर कहा जा रहा है। जो करीब 54 सालों के बाद बन रहा है। इसका संबंध भगवान शिव के

रौद्र रूप के रूप में रहेगा। ऐसे में इस वर्ष महंगाई। प्राकृतिक आपदाएं, राजनीति में बदलाव से लेकर समाज में तनाव का वातावरण बन सकता है। 19 मार्च से 6 अप्रैल 2027 तक ये संवत रहेगा। इस दौरान शनि मीन राशि में विराजमान रहेंगे। राहु इस समय कुंभ राशि में हैं और 5 दिसंबर को मकर राशि प्रवेश करेंगे। वहीं केतु सिंह राशि में विराजमान है और 5 दिसंबर को कर्क राशि में प्रवेश कर जाएंगे। बृहस्पति भी वर्ष के प्रारंभ के कुछ समय बाद उच्च राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे कुछ राशियों को विशेष लाभ मिलेगा। मंगल, शुक्र, सूर्य, बुध, चंद्रमा एक निश्चित अवधि के बाद राशि परिवर्तन करते रहेंगे। जिसका असर 12 राशियों के साथ साथ देश दुनिया में देखने को मिलने वाला है। मंगल के कारण लोगों के स्वभाव में में काफी बदलाव होने वाला है। ऐसे में छोटी छोटी बातों में विवाद से लेकर तनाव बढ़ सकता है। इसके साथ ही धोखेबाजी से लेकर गलत आचरण में फंस सकते हैं। आर्थिक स्थिति के मामले में भी इस साल काफी चुनौतियां रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विभिन्न देशों के बीच तनाव रहेगा। कोई प्राकृतिक आपदाएं जैसे आगजनी, सूखा, भूकंप या फिर कम वर्षा जैसी स्थितियां पैसा हो सकती है। ऐसे में महंगाई बढ़ सकती है। 20 मार्च से 11 मई के बीच जनता में असंतोष आक्रोश और आंदोलन जैसी परिस्थितियां बन सकती हैं, राजनीतिक दल अपने.अपने तरीके से रणनीतियां अपनाने की कोशिश करेंगे। अन्य ग्रहों की स्थिति भी समाज, अर्थव्यवस्था और जनभावनाओं को अलग.अलग तरीके से प्रभावित करेगी।

नवसंवतसर और चैत्रीय नवरात्र के अवसर पर आज से शुरु होगें धार्मिक अनुष्ठान

-चैत्र माह की अमावस्या पर लगी आस्था की डुबकी

नर्मदापुरम। नवसंवतसर और चैत्रीय नवरात्र के अवसर पर आज से धार्मिक नगरी नर्मदापुरम में अनेक धार्मिक अनुष्ठान की शुरूआत होगी। हिन्दु नव वर्ष के अवसर पर शहर में अनेक संगठनों के द्वारा अनेक धार्मिक कार्यक्रम किए जाएंगे। इससे पूर्व बुधवार को चैत्र माह की अमावस्या पर नर्मदा तट के घाटों पर श्रद्धालुओं के द्वारा आस्था की डुबकी लगाई गई। सभी प्रमुख घाटों पर सुबह से ही स्नानार्थियों का तांता लग गया था। गुरूवार से शुरू हो रहे नवरात्र पर देवी आराधना के आयोजन प्रारंभ हो रहे हैं। जिसके तहत धार्मिक स्थलों पर तैयारी की जा रही है। इस अवसर पर देवी भक्तों के द्वारा व्रतोपासना आज से की जाएगी। नव वर्ष का शुभारंभ आज से हो रहा है और नवसंवतर के राजा गुरू है। इसे ध्यान में रखते हुए अनेक आस्थावानों के द्वारा मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की जाएगी।

पांच स्थानों पर होगी देवी स्थापना

शहर के पांच स्थानों पर नवरात्र में देवी प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। इसी के साथ अनेक स्थानों पर जवारे भी बोए जाएंगे। देवी मंदिरों में देवी पाठ और भजन कीर्तन के आयोजन भी किए जाएंगे। धार्मिक कार्यक्रमों की श्रंखला सरगम संस्था के द्वारा सुबह नर्मदा तट पर महा मंगला आरती की जाएगी।

देवी भागवत कथा आज से

दक्षिणेश्वरी माता महाकाली सांस्कृतिक उत्सव समिति द्वारा आध्यात्मिक आयोजन की श्रृंखला में चैतीय नवरात्र महोत्सव के दौरान माता महाकाली मंदिर परिसर में संगीतमय देवी भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। दक्षिणेश्वरी माता महाकाली सांस्कृतिक उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रकाश शिवहरे ने बताया कि सतरस्ते पर माता महाकाली के मंदिर परिसर में पहली बार संगीतमय देवी भागवत कथा का आयोजन 19 मार्च से नवरात्रि के मौके पर शुरू होगा। जिसका विश्राम 27 मार्च को भव्यता के साथ जवारे विसर्जन, प्रसाद वितरण व भंडारे के साथ होगा। उन्होंने बताया कि देवी भागवत कथा से पूर्व 19 मार्च को धर्माचार्य पं सोमेश परसाई के आचार्यत्व व मार्गदर्शन में सुबह 8 बजे सतरस्ता से नारी शक्ति व वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में, समिति सदस्यों के साथ मां नर्मदा के पावन तट सेठानी घाट की ओर निकलेंगे। मां नर्मदा से जल कलश यात्रा गाजे बाजे के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सतरस्ता पर माता महाकाली प्रांगण में पहुंचेगी। उसके उपरांत दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कथा वाचक पं जितेन्द्रिय महाराज (बशिष्ठ) राजराजेश्वरी बाराही धाम डुंगारिया जिला सीहोर के मुखारविंद से देवी भागवत कथा का वाचन होगा। समिति के सभी पदाधिकारियों सदस्यों देवी भक्तों ने सभी श्रद्धालुओं से इस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने का आग्रह किया है। ऐसा अनुमान है कि कलश यात्रा में बड़ी संख्या में नारी शक्ति शामिल रहेंगी।

जनभागीदारी से जनआंदोलन बने जल गंगा संवर्धन अभियान, जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों को मिले गति : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

जिले में 19 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून तक जल संचयन के लिए चलेगा व्यापक अभियान

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश में जल संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 19 मार्च 2026 से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है, जो 30 जून 2026 तक संचालित रहेगा। अभियान के अंतर्गत विगत वर्ष की भांति 17 शासकीय विभागों को विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यों के लिए दायित्व सौंपे गए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत नर्मदापुरम हिमांशु जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी संबंधित विभागों को शासन के निर्देशों से अवगत कराते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं। अभियान के दौरान ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कार्य व्यापक स्तर पर किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले में इस अभियान को जल के प्रति जनचेतना के रूप में संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, गहरीकरण एवं गाद निकासी के कार्य जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व एवं जनसहभागिता से कराए जाएंगे।

महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता की उड़ान को पंख लगाती पीएमएफएमई योजना

मशरूम उत्पादन को रोजगार का साधन बनाकर बबीता मांडवी बनी आत्मनिर्भर

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएमएफएमई) योजना जिले में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन रही है। इसी क्रम में सिवनीमालवा के ग्राम कोलगांव निवासी श्रीमती बबीता मांडवी ने इस योजना का लाभ लेकर न केवल स्वयं को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार किया है। बबीता मांडवी बताती हैं कि उनके परिवार में 5 सदस्य हैं और पति की वेल्डिंग कार्य से होने वाली सीमित आय से परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो रहा था। आर्थिक तंगी के चलते वे स्वयं भी कोई कार्य प्रारंभ नहीं कर पा रही थीं। इसी दौरान उन्हें पीएमएफएमई योजना की जानकारी मिली, जिससे उन्होंने मशरूम प्रसंस्करण के क्षेत्र में कार्य शुरू करने का निर्णय लिया। उन्होंने उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से संपर्क किया, जहां उन्हें आवेदन से लेकर ऋण प्राप्ति तक हर स्तर पर मार्गदर्शन एवं सहयोग मिला।

सतरस्ता के मुखर्जी कॉम्पलेक्स का नहीं हट रहा जीना

सीएमओ को आ रहा पसीना, जानबूझकर की जा रही अनदेखी

नर्मदापुरम (निप्र)। सतरस्ता के मुखर्जी काम्पलेक्स में स्थित जीना हटाने में नगर पालिका की सीएमओ को पसीना आ रहा है। नगर पालिका अधिकारी व प्रशासन को सब कुछ पता होने के बाद भी चुप्पी साध लेने से यह सिद्ध हो रहा है कि नगर पालिका अतिक्रमण को बढ़ावा देना चाहती है। इतना सा जीना हटाने में एक पखवाड़े से अधिक का समय लगा दिया। पहले भी सोचा विचारी में पांच दिन लगा दिए थे। तब ऐसी स्थिति में नगर पालिका शहर हित के अन्य कार्यों को कैंसे कर रही है। इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है। शहर के लोग यह कहने लगे हैं कि या तो नगर पालिका की कोई मिलीभगत है या उसे डर है कि कहीं कुछ हो न जाए। इस कारण गलत निर्माण को भी हटाने की हिम्मत नहीं हो पा रही है। जब सतरस्ता जैसे स्थान के अतिक्रमण को हटाने में इतने दिन लग सकते हैं तो फिर शहर के अन्य हिस्सों के अतिक्रमण को हटाने में नगर पालिका कब और कैंसे रूचि ले पाएगी।

ग्राम खरखेड़ी में खेत में लगी आग तीन एकड़ फसल हुई खाक

डोलरिया (निप्र)। ग्राम खरखेड़ी में बुधवार को दोपहर के समय अचानक खेत में आग की लपटें देखकर आसपास क्षेत्र किसानों में भगदड़ मच गई। खेत में पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया। आग तेजी से फसल को अपनी आगोश में लेते हुए आगे बड़ती जा रही थी। तभी किसानों ने खेत में आग बुझाने के जतन शुरू किए ट्रैक्टर से खेत को बखरा गया। एक बार जैसे तैसे आग बुझ गई लेकिन कुछ देर बाद फिर से सुलग गई। जिससे फसल को काफी नुकसान हो गया है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। जागरूक किसान लक्ष्मण गौर ने बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाले किसान रामस्वरूप गौर के खेत में गेहूं की खड़ी फसल में आग लग जाने से करीबन तीन एकड़ की गेहूं की फसल जल कर राख हो गई है। आग बुझाने के लिए बड़ी संख्या में किसान मौके पर पहुंच गए थे। जिनके प्रयास से आग पर काबू पाया जा सका। इन दिनों फसल पककर सूख चुकी है।

एचपीवी टीकाकरण लक्ष्य पूर्ति हेतु टीम बनाकर करें कार्य : एसडीएम जय सोलंकी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार में बुधवार, 18 मार्च को जिला प्रशिक्षण केंद्र नर्मदापुरम में एचपीवी टीकाकरण अभियान को शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के उद्देश्य से अंतर्विभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जय सोलंकी ने की। बैठक में एसडीएम श्री सोलंकी ने महिला एवं बाल विकास, शिक्षा तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि 14 वर्ष आयु पूर्ण कर चुकी तथा 15 वर्ष से कम आयु की पात्र किशोरी बालिकाओं की सूची आयु अनुसार तैयार कर, उन्हें एवं उनके अभिभावकों को नजदीकी टीकाकरण केंद्रों पर एचपीवी टीका लगवाने हेतु प्रेरित करें। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए टीम बनाकर समन्वित रूप से कार्य करने पर जोर दिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत ने कहा कि एचपीवी टीके को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि एचपीवी वायरस महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) का प्रमुख कारण है, जिससे बचाव के लिए यह टीका अत्यंत प्रभावी है। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. सृजन सेंगर ने अभियान में लापरवाही बरतने वाले सुपरवाइजर, एएनएम एवं सीएचओ के एक माह के वेतन रोकने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग से डीपीसी डॉ. राजेश जायसवाल ने शिक्षकों के माध्यम से अभियान को गति देने की बात कही, वहीं डीपीओ ललित डेहरिया ने सीडीपीओ एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर पूर्ण सहयोग देने के लिये आश्वासन दिया। बैठक में बताया गया कि एचपीवी टीकाकरण अवकाश के दिनों को छोड़कर प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला अस्पताल नर्मदापुरम, सिविल अस्पताल इटारसी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोलरिया एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मिसरोद में किया जा रहा है। बैठक में डीआईओ डॉ. संदीप केरकेट्टा, डीएचओ डॉ. सुनीता नागेश, जिला मीडिया प्रभारी सुनील साहू, बीआरसी सपना गोलानी, बलवंत राजपूत सहित डोलरिया ब्लॉक की एएनएम, सीएचओ, सुपरवाइजर, शहरी एलएचवी एवं जिला टीकाकरण स्टाफ उपस्थित रहे।

एचपीवी टीकाकरण अभियान को मिल रही सफलता, 2187 बालिकाएं हुईं लाभान्वित

नर्मदापुरम (निप्र)। / कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिले में सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु संचालित एचपीवी टीकाकरण अभियान को सकारात्मक परिणाम मिल रहे है। अभियान के अंतर्गत एक दिन में 546 किशोरी बालिकाओं ने एचपीवी टीका लगवाया, वहीं अब तक कुल 2187 बालिकाएं टीकाकरण से लाभान्वित हो चुकी हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत ने बताया कि 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) का टीका निशुल्क लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले कैंसरों में दूसरा प्रमुख कैंसर है, जिसका मुख्य कारण एचपीवी वायरस है। इस बीमारी से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण अत्यंत प्रभावी उपाय है। जिले में यह टीकाकरण जिला अस्पताल नर्मदापुरम, सिविल अस्पताल इटारसी तथा सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अवकाश के दिनों को छोड़कर प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से किया जा रहा है।स्वास्थ्य विभाग के जिला मीडिया प्रभारी श्री सुनील साहू ने जानकारी दी कि अब तक ब्लॉकवार टीकाकरण में बनखेड़ी में 326, पिपरिया में 444, सोहागपुर में 333, माखननगर में 346, सुखतवा में 191, सिवनी मालवा में 111, डोलरिया में 148, नर्मदापुरम में 101 तथा इटारसी में 187 बालिकाओं ने टीका लगवाया है। स्वास्थ विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के लिए एचपीवी का निशुल्क टीकाकरण अवश्य कराएं। अधिक जानकारी के लिए एएनएम, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क किया जा सकता है।

जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रशासन सख्त

कलेक्टर ने जारी किए हार्वेस्टर के साथ स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम उपयोग करने के आदेश

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में रबी सीजन की फसलों की कटाई प्रारंभ हो चुकी है, जिसमें अधिकांश किसान कंबाइन हार्वेस्टर का उपयोग कर रहे हैं। कटाई के बाद नरवाई (फसल अवशेष) में आग लगाने की घटनाएं लगातार सामने आती हैं, जिससे वायु प्रदूषण, मृदा की गुणवत्ता में गिरावट, आगजनी की घटनाओं में वृद्धि एवं आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ता है। उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए तथा सैटेलाइट आंकड़ों के आधार पर नरवाई जलाने की घटनाओं में जिला नर्मदापुरम प्रदेश में अग्रणी स्थान पर होने की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा आवश्यक आदेश जारी किए गए हैं।जारी आदेशानुसार, फसलों की कटाई हेतु उपयोग किए जाने वाले कंबाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (SMS) का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाएगा, जिससे फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि यदि फसल कटाई के बाद नरवाई प्रबंधन के लिए स्ट्रॉ रीपर यंत्र का उपयोग किया जाता है, तो ऐसी स्थिति में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग अनिवार्य नहीं होगा। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे नरवाई जलाने से बचें और वैकल्पिक तकनीकों का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें।

नर्मदापुरम विधायक की अनुशंसा पर 01 निर्माण कार्य हेतु 43 हजार 567 रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा की अनुशंसा पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा विधायक स्वेच्छानुदान निधि से 01 निर्माण कार्य के लिए 43 हजार 567 रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा की अनुशंसा पर नर्मदापुरम नगर के वार्ड क्र. 26 कोरी मोहल्ला में सार्वजनिक चबूतरा निर्माण कार्य के लिए 43 हजार 567 रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

विक्रम सम्वत् 2083
भारतीय नववर्ष
की हार्दिक मंगलकामनाएं

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

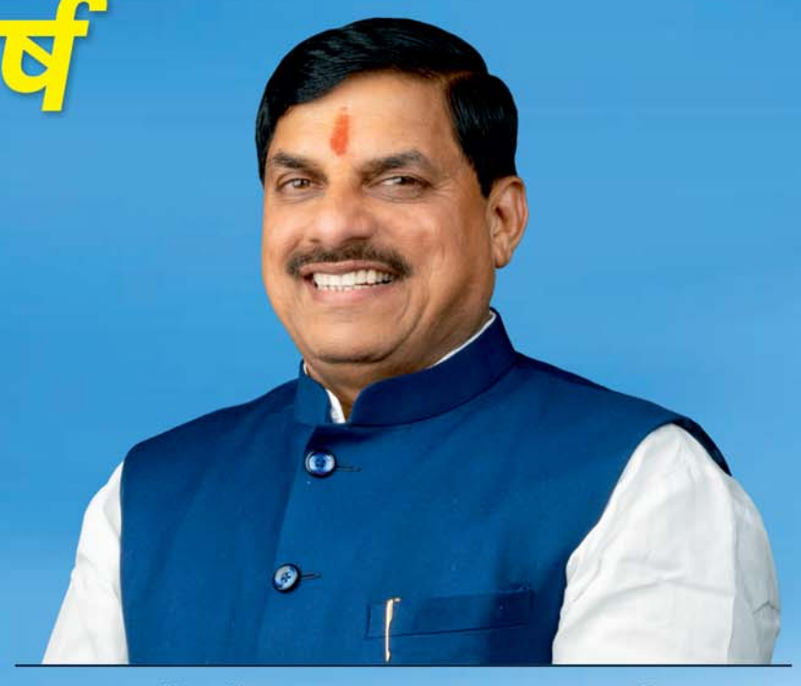

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

राज्यस्तरीय
जल गंगा संवर्धन अभियान
जनभागीदारी की अनूठी पहल का
तृतीय चरण : 19 मार्च से 30 जून 2026

शुभारंभ

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

इस्कॉन मंदिर, इंदौर

पिछले दो चरणों में 3.50 लाख से अधिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन के साथ नए निर्माण कार्य, भू-जल स्तर में वृद्धि और खेतों के लिए संजीवनी साबित हो रहे हैं

आइये, सब जुड़ें

जब सब जुड़ेंगे, तब ही जल बचेगा, धरती बचेगी
आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित होगा

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

D-11222/25

आकल्पन : म.प्र. जनसम्पर्क/2026